RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●20 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक - 321 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित हवा वाली राजधानी

खराब हवा के मामले में भारत तीसरे, पाकिस्तान दूसरे नंबर पर; बांग्लादेश की हवा सबसे ज्यादा खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2023 में तीसरा सबसे खराब हवा वाला देश रहा। स्विस ऑर्गेनाइजेश आईक्यू एयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बांग्लादेश दुनिया में सबसे खराब हवा वाला देश रहा। 134 देशों की इस लिस्ट में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली सबसे खराब हवा वाली राजधानी रही। बिहार का बेगूसराय दुनिया का सबसे प्रदूषित महानगर है, जबकि 2022 में इस लिस्ट में बेगूसराय का नाम भी नहीं था। 2022 में प्रदूषित हवा वाले देशों की सूची में भारत आठवें स्थान पर था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 1.33 अरब यानी 96 फीसदी लोग ऐसी हवा में रहते हैं, जिसमें पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ के एनुअल स्टैंडर्ड से 7 गुना ज्यादा है। वहीं देश के 66 फीसदी शहरों में एनुअल पीएम 2.5 का स्तर 35 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ज्यादा रहा। रिपोर्ट में पीएम 2.5 कणों के आधार पर देशों, राजधानियों तथा शहरों की रैंकिंग की गई है। यह एक तरह का पार्टिकुलेट मैटर होता है, जिसका डायमीटर (व्यास) 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। यह बेहद छोटे कण होते हैं, जो हवा की गुणवत्ता को खराब करते हैं। भारत में पिछले साल पीएम 2.5 का औसत स्तर 1 क्यूबिक मीटर में 54.4 माइक्रोग्राम रहा। यह डब्ल्यूएचओ के पैमाने से 10 गुना ज्यादा था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दुनिया में हर साल प्रदूषित हवा की वजह से 70 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वहीं मरने वाले हर 9 लोगों में से 1 की मौत खराब हवा के कारण हो रही है। आईक्यू एयर ने बताया कि इस साल का डेटा 30,000 से ज्यादा वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों और रिसर्च संस्थानों, विश्वविद्यालयों और सरकारी एजेंसियों के डेटा को इकट्ठा करके जारी किया किया गया है। राजधानी दिल्ली में पिछले साल पीएम 2.5 का स्तर 1 क्यूबिक मीटर में 92.7 माइक्रोग्राम रहा।

दिसंबर 2024 तक आएगी पहली 'मेड-इन-इंडिया' चिप

2029 तक दुनिया के टॉप-5 चिप ईकोसिस्टम का हिस्सा होगा भारत

कार से लेकर मोबाइल तक में यूज होती है चिप,अब भारत बनेगा हब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पहली मेड-इन-इंडिया चिप दिसंबर 2024 तक तैयार हो जाएगी। इस बात की जानकारी आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने एक टीवी इवेंट में दी। वैष्णव ने कहा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का हब बन गया है। यहां से अभी 1 बिलियन डॉलर (करीब ?8,294 करोड़) का टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट का एक्सपोर्ट हो रहा है। अगले 5 साल यानी 2029 तक भारत दुनिया के टॉप-5 चिप ईकोसिस्टम का हिस्सा होगा। हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडियाज टेकेड चिप्स फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में लगभग 1.26 लाख करोड़ रुपए के तीन सेमीकंडक्टर फैसिलिटीज की नींव रखी। इस मौके पर मोदी ने कहा कि इससे भारत को सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए ग्लोबल हब बनने में मदद मिलेगी। आज, हम इतिहास भी लिख रहे हैं और उज्ज्वल भविष्य की ओर मजबूत कदम उठा रहे हैं। 21वीं सदी तकनीक आधारित सदी है, जिसकी कल्पना चिप्स के बिना नहीं की जा सकती। तीनों फैसिलिटीज की मैन्युफैक्चरिंग का काम 100 दिनों के अंदर काम शुरू होगा। इससे पहले यूनियन कैबिनेट ने 29 फरवरी को चिप प्लांट के तीन प्रपोजल को मंजूरी दी थी।

मोदी बोले-इंडिया वाले हिंदू धर्म का अपमान करते हैं

तमिलनाडु में कहा-जिस शक्ति में हमारी आस्था है, कांग्रेस-डीएमके उसे खत्म कर रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी 5 दिन के दक्षिण भारत के राज्यों के दौरे पर हैं। उन्होंने 18 मार्च को तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु का दौरा किया। आज 19 मार्च को उन्होंने केरल और तमिलनाडु में रोड शो किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव से पहले 5 दिन के दक्षिण भारत के दौरे पर हैं। 19 मार्च को सुबह केरल के पलक्कड़ में रोड शो करने के बाद वे तमलिनाडु के सेलम पहुंचे। यहां भी उन्होंने रोड शो किया। सेलम में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने 17 मार्च की इंडिया अलायंस की रैली का जवाब दिया था। उन्होंने कहा- इंडिया वाले हिंदू धर्म का बार-बार अपमान करते हैं। हिंदू धर्म की जिस शक्ति में आस्था होती है, डीएमके और कांग्रेस इस शक्ति का विनाश करना चाहते हैं। दरअसल 17 मार्च को इंडिया की मुंबई में रैली हुई थी, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। 18 मार्च को तेलंगाना के जगतियाल में मोदी ने राहुल गांधी के बयान का जवाब देते हुए कहा था कि मेरे लिए तो हर मां-बेटी शक्ति का रूप है। मैं इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा दूंगा।

लोकसभा चुनाव में इस बार 95 लाख खर्च कर करेंगे कैंडीडेट

जिस दिन नामांकन उसी दिन से शुरू होंगे कैंडीडेट्स के चुनावी खर्च

भोपाल। प्रदेश में लोकसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के चुनावी खर्च का ब्यौरा उस दिन से काउंट होगा जिस दिन से उम्मीदवार द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने यह जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उनके सवालों के जवाब में दी है। कांग्रेस ने इस दौरान अधिकारियों की पदस्थापना और अन्य मामलों को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से जानकारी लेने के साथ शिकायतें भी की है। उधर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा है कि राजनीतिक दलों के प्रत्याशी लोकसभा चुनाव के प्रचार और अन्य खर्च में 95 लाख रुपए तक खर्च कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में राजनीतिक दलों की बैठक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) अनुपम राजन ने बुलाई थी। इस बैठक में भाजपा विधि प्रकोष्ठ के संयोजक मनोज द्विवेदी, एसएस उप्पल समेत अन्य भाजपा नेताओं ने सीईओ से यह स्पष्ट अभिमत चाहा था कि पार्टी का प्रत्याशी घोषित होने के बाद खर्च प्रत्याशी के खाते में कब से जुड़ेगा। इस पर सीओ अनुपम राजन ने बताया कि पार्टी भले ही समय से पहले प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दे लेकिन चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में वह प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने के दिन से माना जाएगा, इसलिए नामांकन दाखिल करने के बाद से लेकर चुनाव संपन्न होने तक जो खर्च होगा वही जुड़ेगा।

बेमौसम बारिश ने बिगाड़े हालात, जबरदस्त नुकसान

प्रदेश के मुलताई-छिंदवाड़ा में हुई तेज बारिश ,जमकर ओले गिरे

13 जिलों में अलर्ट,30 से 60 किमी की स्पीड से चलेगी आंधी

भोपाल। मध्यप्रदेश में लगातार चौथे दिन मंगलवार को भी बेमौसम बारिश हुई। मुलताई, छिंदवाड़ा और डिंडौरी में दोपहर में तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। कई जगह बेर

के आकार के ओले भी गिरे। ओलावृष्टि से टमाटर और गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग ने जबलपुर-नरसिंहपुर समेत 13 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, अनूपपुर में रेड अलर्ट है। इन जिलों में 30 से 60 किमी प्रति घंटे की स्पीड से आंधी भी चलेगी। पिछले 24 घंटे के दौरान मध्यप्रदेश के बालाघाट, सिवनी, अनूपपुर, मंडला, शहडोल, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, उमरिया, रीवा, बैतूल समेत 57 शहर और कस्बों में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। ओले भी गिरे। बालाघाट के तिरोड़ी तहसील में सबसे ज्यादा 65.3 मिमी यानी 2.5 इंच बारिश दर्ज की गई। मुलताई में मंगलवार को भी तेज बारिश का दौर जारी रहा। सिपावा ब्लॉक में 15 मिनट तक जमकर ओलावृष्टि हुई। खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई। किसानों ने बताया कि तेज बारिश-ओले से टमाटर की फसल खराब हो गई। कटाई वाला गेहूं भी सड़ रहा है। उन्होंने क्षेत्र में बारिश से फसलों के नुकसान के सर्वे कराने की मांग की है। डिंडौरी जिले में मंगलवार दोपहर को गरज-चमक के साथ तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई। बजाग तहसील के अंगई गांव में बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है।

राजधानी के स्क्रेप सेंटर में आग से 3 कार जलीं

एमपी नगर के मैकेनिक मार्केट की घटना, 2 दुकानें भी जलकर खाक

भोपाल। भोपाल में मंगलवार को 2 जगह आग लग गई। पहली घटना एमपी नगर स्थित चेतक ब्रिज के नजदीक की है। यहां सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात मैकेनिक मार्केट में लगी आग से 2 दुकान और 3 कार जल गईं। आग से जली एक कार मैकेनिक के यहां सुधरने के लिए रखी थी। दूसरी कारें दुकानों के पास बने मकान में रह रहे एक रहवासी की थी। आग की सूचना पर पहुंची नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग को काबू किया। आग पर सुबह 6 बजे तक पूरी तरह से बुझ सकी। दूसरी ओर, एमपी नगर जोन 1 में कचरे में भी आग लग गई। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से बुझाया जा सका। पुल बोगदा फायर कंट्रोल रूम के फायरमैन फिरोज खान ने बताया कि सोमवार-मंगलवार रात करीब 2 बजे एमपी नगर स्थित चेतक ब्रिज के नजदीक दुकानों में आग लगने की सूचना मिली थी। इस पर फतेहगढ़, माता मंदिर, भेल, बैरागढ़ सहित अन्य फायर स्टेशन से करीब 10 दमकल आग को बुझाने भेजे गए। आग मैकेनिक मार्केट के नजदीक नफीस के स्क्रैप गोदाम से शुरू हुई थी, जिसने देखते ही देखते आसपास की दुकानों में फैल गई।

आज सीधी, 27 को बालाघाट-छिंदवाड़ा में नॉमिनेशन कराएंगे सीएम डॉ.यादव

पहले चरण की 4 सीटों को लेकर चर्चा, छिंदवाड़ा में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष की नियुक्ति

भोपाल। प्रदेश भाजपा कार्यालय में सोमवार को सीधी, सिंगरौली लोकसभा प्रबंधन समिति की बैठक हुई। जिसमें सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा समेत अन्य शामिल हुए। एमपी की 6 लोकसभा सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है। पहले चरण की सीटों पर चुनावी रणनीति बनाने के लिए सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में चार लोकसभा सीटों को लेकर चर्चा हुई। सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और लोकसभा चुनाव के सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने छिंदवाड़ा, बालाघाट, सीधी और मंडला के नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें की। प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई लोकसभा टोली की बैठक में केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते, मंत्री प्रहलाद पटेल, संपतिया उईके, बीजेपी के प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, शरदेन्दु तिवारी, सांसद कविता पाटीदार सहित चारों जिलों के जिला अध्यक्ष व लोकसभा टोली के पदाधिकारी उपस्थित रहे। छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र की बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने छिंदवाड़ा लोकसभा में पीएम मोदी, अमित शाह के अलावा सीएम डॉ. मोहन यादव, वीडी शर्मा, उमा भारती, प्रहलाद पटेल और सिख समाज, आदिवासी समाज के बड़े नेताओं की सभाएं कराने की मांग रखी। बैठक के दौरान ही इस बात पर चर्चा हुई कि जिलाध्यक्ष बंटी साहू लोकसभा प्रत्याशी घोषित हो गए हैं। ऐसे में पार्टी के काम काज के लिए कार्यवाहक जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की जाए।

जेएमएम से बगावत के बाद सीता सोरेन बीजेपी में हो गई शामिल

बेटी जयश्री सोरेन दुमका से लड़ेंगी चुनाव, सुनील सोरेन का कटेगा पत्ता!

रांची (एजेंसी)। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की प्राथमिक सदस्यता और केंद्रीय महासचिव समेत सभी पदों से त्यागपत्र दे दिया। इसके साथ ही सीता सोरेन ने विधानसभा की सदस्यता से भी त्यागपत्र दे दिया। अब सीता सोरेन ने बीजेपी का दामन भी थाम लिया है। इसके साथ ही इस बात की संभावना भी बढ़ गई है कि दुमका लोकसभा सीट से बीजेपी अपने उम्मीदवार को बदल सकती है। नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में विनोद तावड़े और लक्ष्मीकांत दीक्षित की मौजूदगी में सीता सोरेन को बीजेपी की सदस्यता दिलाई गई। सीता सोरेन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का तेजी से विकास हो रहा है, इसी दृष्टिकोण से आज बीजेपी में शामिल हो रही हूं। उन्होंने कहा कि 14 वर्षों तक जेएमएम में रहने के बावजूद कई सपने अधूरे रह गए। अलग झारखंड राज्य बनाने में उनके पति दुर्गा सोरेन का बड़ा योगदान रहा, वे झारखंड को विकसित राज्य के रूप में देखना चाहते थे, लेकिन वो सपना अधूरा रहा, इसलिए उन्होंने बीजेपी में आने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि वो बड़ी मकसद और बड़ी लड़ाई के लिए बीजेपी में शामिल हो रही हैं। सीता सोरेन ने जेएमएम की प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे दिया है।

संक्षिप्त समाचार

ईसी ने संजय मुखर्जी को बनाया बंगाल का नया डीजीपी

कोलकाता (एजेंसी)।केंद्रीय चुनाव आयोग ने संजय मुखर्जी को पश्चिम बंगाल का नया डीजीपी नियुक्त किया है।आयोग ने लोकसभा चुनावों का ऐलान करने के बाद 18 मार्च को एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के डीजीपी और छह राज्यों के गृह सचिवों को हटाने का आदेश दिया था। आयोग के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने आईपीएस विवेक सहाय को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया था।आयोग ने राज्य सरकार के फैसले को बदलते हुए अब संजय मुखर्जी डीजीपी नियुक्त किया है।अभी तक राज्य के डीजीपी की कमान आईपीएस राजीव कुमार के पास थी।केंद्रीय चुनाव आयोग ने उन्हें हटा दिया है।

चुनावी मौसम में अब क्रिकेट कमेंट्री करेंगे 'गुरु'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के सीनियर नेता नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर सुर्खियों में है लेकिन सिद्धू इस बार अपने बयानों को लेकर नहीं बल्कि क्रिकेट को लेकर सुर्खियों में हैं।वो एक बार फिर से क्रिकेट फील्ड में वापसी करने जा रहे हैं।

क्रिकेट फील्ड वो खेलते हुए तो नहीं दिखाई देंगे।लेकिन अपनी कमेंट्री से लोगों को मनोरंजन करते हुए दिखाई देंगे।सिद्धू ने खुद इस बात की पुष्टि की है।सिद्धू ने अपने फेसबुक पेज पर स्टार स्पोर्ट्स की एक पोस्ट को शेयर किया है।जिसमें जानकारी दी गई है कि सिद्धू आईपीएल में कमेंट्री करेंगे।स्टार्ट स्पोर्टस ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि सरदार ऑफ कॉमेंट्री बॉक्स इज बैक।बता दें कि सिद्धू ने लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद

मस्जिद कमेटी को सुप्रीम कोर्ट से लगा तगड़ा झटका

मथुरा (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से संबंधित 15 मुकदमों को समाहित करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया।न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंध न्यासी समिति को

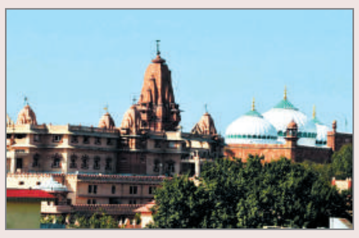

हाई कोर्ट के समक्ष आदेश वापसी की याचिका दायर करने की स्वतंत्रता प्रदान की।समिति ने हाई कोर्ट के 11 जनवरी के आदेश को चुनौती दी है।पीठ ने आदेश दिया, याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को वापस लेने का अनुरोध किया है। हम मौजूदा विशेष अनुमति याचिका का निस्तारण करते हैं और याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय में फिर से याचिका दायर करने की छूट देते हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 20 मार्च, 2024

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मैहर में जिला कार्यसमिति की बैठक को किया संबोधित

विपक्षी दलों के नेता भाजपा के खिलाफ भ्रम फैलाने का कार्य करते हैं - हितानंद

मैहर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। यह लोकसभा चुनाव भारत के नवनिर्माण के लिए जीतना महत्वपूर्ण है। भारतीय जनता पार्टी जो कहती है, जो वादे करती है, उसे पूरा करती है। लेकिन विपक्षी दलों के नेता हमेशा से हमारी पार्टी के खिलाफ जनता में भ्रम फैलाने का कार्य करते आए हैं। पार्टी के सभी कार्यकर्ता पूरे उत्साह और लगन के साथ नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मैदान में जुट जाए। कार्यकर्ता हर बूथ पर पार्टी में 370 नए मतदाताओं को जोड़ने के साथ 10 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने का कार्य करें। यह बात बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मैहर में जिला कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम को प्रदेश महामंत्री व संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने और विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया।

बैठक को संबोधित करते हुए हितानंद ने कहा कि पहले नारा था कि सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर भव्य बनाएंगे और विरोधियां ने नारा दिया की मंदिर तो बनाएंगे पर तारीख नहीं बताएंगे। लेकिन दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाने और भारत का हर क्षेत्र में विकास करने वाले प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने तारीख भी बताई और मंदिर का निर्माण कराकर भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी कराई। राम मंदिर को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं ने जनता के बीच बहुत भ्रम फैलाया था। यह विरोधी दल अभी भी जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं। हमें विपक्षी दलों के हर षड्यंत्र और साजिश का पूरे तथ्यों के साथ जवाब देना है। प्रदेश संगठन महामंत्री जी ने नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को बधाई दी और बैठक कर लोकसभा चुनाव जीतने का मंत्र भी बताया।

● माता शारदा के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

बैठक से पहले हितानंद मैहर स्थित मां शारदा के दरबार में पहुंचे और दर्शन-पूजन कर प्रदेश की जनता की खुशहाली की कामना की। भाजपा जिला कार्यालय मैहर में आयोजित बैठक में सतना लोकसभा प्रभारी शशांक श्रीवास्तव भी मंचासीन रहे।

पद्मश्री पहले चहेतों को मिलता था, अब प्रतिभा को मिलता है

प्रदेश संगठन महामंत्री शर्मा ने कहा कि 2014 से पहले चहेतों को पद्मश्री मिलता रहा है। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, उसके बाद से देश के कोने-कोने में छुपी हुई प्रतिभा को देश के सामने लाया जा रहा है और प्रतिभाओं को ही पद्म श्री पुरस्कार दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि भाजपा का एक एक कार्यकर्त्ता अपनी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संकल्पित होता है। प्रदेश संगठन महामंत्री जी ने सभी कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथ में पार्टी का दस प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने का आह्वान किया है।

संक्षिप्त समाचार

नमन नर्मदा गार्डन से चोरी कर भागा युवक

नर्मदापुरम(निप्र)। भोपाल तिराहे के पास स्थित नमन नर्मदा गार्डन से फिर एक युवक ने चोरी की। उसने तार चोरी किया और गार्डन की दीवार क्रॉस कर भाग गया। गार्डन संचालक बृजेश श्रीवास्तव ने बताया आरोपी आकाश विश्वास ने तीन दिन पहले भी चोरी की थी। कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। बाद में वह फिर वापस आ गया। उसने रविवार को फिर चोरी की है। इसका आवेदन थाने में दिया गया है। बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि उक्त आरोपी कभी हमारे यहां काम नहीं करता था। वह बार-बार चोरी कर रहा है। नर्मदापुरम 7 सेठानीघाट पर पंडित रामलाल शर्मा स्मृति समारोह 19 मार्च से शुरू होगा। व्यासगादी से बांदा चित्रकूट के विख्यात मानसरत्न डॉ. राम गोपाल तिवारी प्रवचन देंगे। कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 7.30 बजे से होगा। प्रवचन 23 मार्च तक चलेगा।

होलिकाष्टक शुरू, 25 मार्च के बाद होंगे मांगलिक कार्य

नर्मदापुरम(निप्र)। होलिकाष्टक रविवार से शुरू हो गए हैं। अब मांगलिक काम नहीं होंगे। 25 मार्च के बाद मांगलिक कार्य होंगे। शादियां भी बंद हो गई हैं। अब शादियां भी 17 अप्रैल से होंगी। आचार्य पंडित सोमेश परसाई ने बताया कि 17 अप्रैल से ही शादी होंगी। मान्यता है कि होलिकाष्टक में शुभ काम नहीं किए जाते हैं। इसलिए 25 मार्च के बाद ही शुभ काम शुरू होंगे। उन्होंने बताया होली 24 मार्च को जलेगी। होलिका पूजन के बाद रात में होलिका दहन किया जाएगा। दूसरे दिन 25 को होली उत्सव मनेगा। पांच दिन बाद रंगपंचमी मनेगी। इधर, बाजार में होली के लिए रंग गुलाल आना शुरू हो गए हैं। दुकानों पर पिचकारी और रंग गुलाल बिक रहे हैं। इस बार होली का रंग जमकर उड़ेगा।

पेट्रोल पंप संचालक को दी कार से कुचलने की धमकी

नर्मदापुरम(निप्र)। नगर के पेट्रोल पंप संचालक वरुण फौजदार की कार को रविवार रात मीनाक्षी चौक के पास एक कार सवार ने ओवरटेकर्कि कया और बाद में कुचलने की धमकी दी। पंप संचालक वरुण फौजदार ने बताया उनकी कार को मीनाक्षी चौक के नजदीक एक कार चालक ने ओवरटेक किया। बाद में कुचलने की धमकी भी दी। अभी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। वरुण के मुताबिक जिस कार ने उनको ओवरटेक किया वह एक शासकीय विभाग में लगी है। मालाखेड़ी में एक शासकीय अधिकारी के घर के अंदर खड़ी है। अभी गाड़ी चालक से उनकी बात नहीं हुई है। वरुण फौजदार ने बताया कि भी पुलिस को भी गाड़ी का नंबर सहित पूरी जानकारी देंगे। एसडीओपी पराग सैनी ने बताया उनके पास अभी तक कोई जानकारी नहीं आई है।

जनपद पंचायत क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न कार्य प्रतिबंधित

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष, शांतिपूर्ण संचालित हो इसके लिए दण्ड प्रक्रिया के तहत आदेश जारी किये है । जारी आदेशानुसार जनपद पंचायत क्षेत्रान्तर्गत जिले में नगरीय निकाय एवं ग्रामीण निकायों को प्राप्त होने वाली निधि का दुरूपयोग न किया जाए । जनप्रतिनिधियों को किराये के वाहन, पी0ओ0एल0 आदि का भुगतान न किया जाए । ग्राम पंचायत एवं नगर पालिका एवं नगर परिषद की निधि का उपयोग विज्ञापन एवं होर्डिंग्स में न किया जाए । किसी भी प्रकार के निर्माण कार्यों की स्वीकृति, भूमि पूजन, शिलान्यास, लोकार्पण नहीं किया जाएगा ।

एक दिन में तीन किसानों के पैसे चोरी, राजगढ़ की सांसी गैंग पर वारदात को अंजाम देने की आशंका

हरदा (निप्र)। हरदा जिले में एक ही दिन में तीन किसानों के अलग अलग स्थान पर रुपयों से भरे बैग गायब होने की घटना सामने आई। तीनों वारदात में किसान अपनी उपज मंडी से बेचने के बाद वापस अपने गांव लौट रहे थे। घटना में किसानों की लापरवाही भी सामने आई है। हालांकि किसानों से मिले आवेदन के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार खिरकिया की कृषि उपज मंडी में गेहूं की फसल बेचने आए ग्राम पहटकला के किसान महेश गुर्जर की बाइक पर टंगे बैग में रखे एक लाख 10 हजार रूपए लेकर बाइक सवार दो युवक फरार हो गए है।

बाइक के पीछे बैठा नाबालिग दिखाई दे रहा है।वही जिला मुख्यालय की कृषि उपज मंडी में फसल बेचने आये देवास जिले की खातेगांव तहसील के नेमावर निवासी शिवनारायण चौहान ने अपनी कार की डिक्की में रुपयों से भरा झोला रखा था। इस दौरान वह कार की डिक्की का लॉक लगाना भूल गए ओर नया बस स्टैंड के पास जीपी मॉल की पार्किंग में कार को खड़ा किया। जब मॉल से वापस लौटे तो कार में रखा रूपयों से भरा बैग नहीं मिला।

किसान का कहना है कि उनके झोले में तीन लाख चालीस हजार रुपए रखे हुए थे।वही तीसरी घटना शहर के डबल फाटक तिराहे के पास हुई है। जहां ग्राम बारंगा का किसान हेमंत पिता ओमप्रकाश पंवार मंडी में गेहूं की फसल बेचने के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली से लौट रहा था। जब वह कुछ देर तिराहे के पास रुका इस दौरान करीब एक बजे के आसपास ट्रैक्टर की स्टेयरिंग के पास रुपयों से भरा झोला लेकर अज्ञात आरोपी फरार हो गए है।

जिले में 25 मार्च होली तथा 29 मार्च रंगपंचमी को शुष्क दिवस घोषित

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा जिले में 25 मार्च 2024 होली त्यौहार तथा को प्रातः 08.30 बजे से शाम 04 बजे तक और 29 मार्च 2024 रंगपंचमी पर प्रातः 08.30 बजे से शाम 04 बजे तक शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत जिले की विनिर्माणी इकाईयों में मदिरा का उत्पादन, इकाई डी-1, बी-3, एफएल-9ए, सीएस-1बी में उत्पादन को छोड़कर विनिर्माण, मदिरा का आयात-निर्यात तथा परिवहन और समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों तथा समस्त बार एफएल-2, एफएल-3 को होली त्यौहार 25 मार्च को और रंगपंचमी 29 मार्च के अवसर पर सम्पूर्ण रायसेन जिले में प्रातः 08.30 बजे से शाम 04 बजे तक शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

30 मार्च को शुष्क दिवस घोषित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने जिले में होली पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए 30 मार्च को शुष्क दिवस घोषित किया है । जारी आदेश के अनुसार रंगपंचमी पर जिले की समस्त 71 कम्पोजिट मदिरा दुकानों, एफ.एल.-3, होटलबार, गोदाम तथा जिले के देशी मद्यभाण्डागारों को सांय 5.00 बजे तक बंद रखने का आदेश दिया है ।

कलेक्टर सिंह ने दूरस्थ ग्रामों का दौरा कर उपार्जन केंद्र व मतदान केंद्र देखे

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने रविवार को टिमरनी विकासखंड के दूरस्थ ग्राम कायदा, राजा बरारी, बोरपानी और रवांग सहित अन्य दूरस्थ ग्रामों का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव में बनाए गए मतदान केंद्र तथा उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गांव में संचालित जल जीवन मिशन की पेयजल योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी ली। जिला पंचायत के मुख्य कार्यकाल अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, एसडीएम श्री महेश बडोले जनपद की सीईओ सुश्री चेतना सहित अन्य विभाग अधिकारी उनके साथ थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए पेयजल व्यवस्था, छांव के लिए शेड की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था और मतदाताओं के मतदान केंद्र में आने और जाने के लिए अलग अलग दो दरवाजे की व्यवस्था देखी। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि सभी मतदान केंद्रों में दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कलेक्टर श्री सिंह ने टिमरनी विकासखंड के इन दूरस्थ ग्रामों में बनाए गए उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए पेयजल और छांव में बैठने की व्यवस्था के निर्देश दिए ।

सभी नोडल अधिकारी निर्वाचन दायित्वों का पूरी गंभीरता, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ निर्वहन करें: कलेक्टर दुबे

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत नोडल अधिकारी की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने सभी नोडल अधिकारियों को उन्हें सौंपे गए दायित्वों तथा अभी तक की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारू रूप से निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्वाचन दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वीप प्लान की समीक्षा करते हुए जिले में लोकसभा निर्वाचन में अधिकाधिक मतदान हेतु सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने मतदान केन्द्रों का भ्रमण करते हुए समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही सी-विजिल तथा शिकायत प्रकोष्ठ की समीक्षा करते हुए सी-विजिल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निर्धारित समयावधि के भीतर समाधान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कम्प्यूनिकेशन प्लान एवं एसएमएस मॉनीटरिंग, मतदान/मतगणना दलों का गठन, निर्वाचन प्रशिक्षण, कानून व्यवस्था एवं आदर्श आचरण संहिता, सारणीकरण, वाहन एवं परिवहन व्यवस्था, नाम निर्देशन की प्राप्ति, डाक मतपत्र/ईटीपीबीएस ईडीसी, सेक्टर एवं रूट तैयार करने, मतपत्र मुद्रण, ईवीएम तथा वीवीपैट प्रबंधन, निर्वाचन व्यय लेखा, मीडिया सेंटर एवं पेड न्यूज की मॉनीटरिंग सहित निर्वाचन संबंधी अन्य गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारियों को पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्वाचन दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह सहित सभी नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करैयाखेड़ा में मनाया गया खसरा दिवस

विदिशा (निप्र)। खसरा मुक्त प्रदेश बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के परिपालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी के निर्देशन में जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में शनिवार को खसरा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करैयाखेड़ा में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डीके शर्मा एवं डॉ आशा देशमुख के समन्वय से आयोजित किया गया जिसमे एक जन जागरूकता रैली निकाली गई। खसरा रोग क्या है और ये कैसे फैलता है, इसके क्या लक्षण हैं से अवगत कराते हुए बताया की यह एक तीव्र गति से फैलने बाला संक्रामक रोग है। इसमें त्वचा पर लाल दाने निकल आते हैं। आंखे लाल, सर्दी जुकाम जैसे लक्षण दिखाई देते है अगर समय पर रोकथाम नही की गई तो मृत्यु भी हो सकती है इसके कारण बच्चों न्यूमोनिया, डायरिया, कुपोषण, अनीमिया होने का प्रबल खतरा रहता है। जिसके कारण बच्चों में मृत्यु की संभावना रहती है।इसके बचाओ हेतु बच्चों को इसके दो टीके पहला 9 से 12 माह की उम्र एवं दूसरा 16 से 24 माह की आयु में दिया जाता है।

कलेक्टर वैद्य ने जिला जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने जिला जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री वैद्य ने पुरूष हवालात बैरक संख्या 08 का तथा महिला हवालात बैरक संख्या 02 का निरीक्षण किया।

जिला जेल स्थित महिला कैदी मुलाकात कक्ष सहित व्ही.सी रूम वारंट शाखा, स्वास्थ्य परीक्षकण कक्ष एवं भोजन पाक शाला को भी देखा, बनने बाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण कर कैदियों से उनको दी जाने वाली खाद्य सामग्री यथा चाय-नाश्ता दोपहर का भोजन एवं सांय कालीन भोजन प्रदाय का समय की जानकारी प्राप्त की तथा कैदियों से आपसी संवाद कर उनसे उनकी परेशानी आदि को जाना। 08 वैरको में पुरूष कैदियों की संख्यां 203 है, जबकि महिला कैदियों की संख्या 13 है।

जेल अधीक्षक श्री प्रियदर्शन श्रीवास्तव ने बताया कि जिला जेल से वर्ष 2014 वागवानी का कार्य करते हुए सजायापता कैदी फरार हुआ था, जिसे जल्द ही पकड़ लिया गया था। शासन की महती कैदियों की रिहायाई के लिए जिन कैदियों के पास जमानत देने के साधन नहीं है उनको भी शासन स्तर से मदद के लिए जेल अधीक्षक को ताकीद किया। जिला जेल की बिल बुक पंजी सहित डाइट रजिस्टर, एवं केश बुक का अवलोकन कर विजिट रजिस्टर में हस्ताक्षर किये। पैरोल के लिए प्रतीक्षारत दो बंदियों से भी जानकारी लेकर समाधान हेतु जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया। निरीक्षण में जिला जेल की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई। कैदियों ने भी जिला जेल के विरूद्ध कोई शिकायत नही की गई। कलेक्टर द्वारा जिला अधीक्षक को जिला जेल से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में भी चर्चा करने की हिदायत दी गई।

सभी नोडल अधिकारी निर्वाचन दायित्वों का पूरी गंभीरता, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ निर्वहन करें: कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत नोडल अधिकारी की बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई । बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी नोडल अधिकारियों को उन्हें सौंपे गए दायित्वों तथा अभी तक की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारू रूप से निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए ।

उन्होंने स्वीप प्लान की समीक्षा करते हुए जिले में लोकसभा निर्वाचन में अधिकाधिक मतदान के लिए सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए । कलेक्टर श्री सिंह ने मतदान केन्द्रों का भ्रमण करते हुए समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए । साथ ही सी-विजिल तथा शिकायत प्रकोष्ठ की समीक्षा करते हुए सी-विजिल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निर्धारित समयावधि के भीतर समाधान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए । उन्होंने कम्युनिकेशन प्लान एवं एसएमएस मॉनीटरिंग, मतदान, मतगणना दलों का गठन, निर्वाचन प्रशिक्षण, कानून व्यवस्था एवं आदर्श आचरण संहिता, सारणीकरण, वाहन एवं परिवहन व्यवस्था, डाक मतपत्र, ईटीपीबीएस, ईडीसी, सेक्टर एवं रूट तैयार करने, ईवीएम तथा वीवीपैट प्रबंधन, निर्वाचन व्यय लेखा, मीडिया सेंटर एवं पेड न्यूज की मॉनीटरिंग सहित निर्वाचन संबंधी अन्य गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारियों को पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्वाचन दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए । बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आनंद सिंह राजावत, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री नितिन टाले सहित सभी नोडल अधिकारी उपस्थित रहे ।

आपत्तिजनक संदेश शेयर या फारवर्ड करने पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिये हरदा जिले में आगामी 26 अप्रैल को मतदान सम्पन्न होगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आदेश जारी कर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक संदेशों के शेयर या फारवर्ड करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, वाट्सअप, एक्स, इंस्टाग्राम जैसे माध्यमों का उपयोग धार्मिक एवं जातिगत विद्वेष को भड़काने के लिये नहीं कर सकेगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर आपत्तिजनक संदेश शेयर व फारवर्ड करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

जारी आदेश अनुसार ग्रुप एडमिन की जिम्मेदारी होगी कि वह किसी भी आपत्तिजनक संदेश की पोस्ट को प्रसारित करने से रोकेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर नागरिकों को भड़काने या उन्माद फैलाने के लिये सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति ऐसे संदेश प्रसारित नहीं करेगा, जिसमे एक स्थान विशेष पर किसी गैर कानूनी गतिविधि को करने के लिये लोगों से एकत्रित होने की अपील की गई हो। यह आदेश निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने तक हरदा जिले की राजस्व सीमा के भीतर प्रभावशील रहेगा।

इंदौर जिले में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाने के होंगे कार्य - कलेक्टर आशीष सिंह

● अग्निशमन व्यवस्था के लिये नए वाहन खरीदे जायेंगे और अमले को बढ़ाया जायेगा ● अगले दस दिनों में जी+3 एवं इससे अधिक ऊँचाई के भवनों की होगी जांच

इंदौर। इंदौर में पिछले दिनों हुई अग्नि दुर्घटना के पश्चात अग्निशमन व्यवस्थाओं में सुधार के लिये कारगर प्रयास प्रारंभ कर दिये गये है। जिले में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाया जा रहा है। अग्निशमन व्यवस्था के लिये नए वाहन खरीदे जायेंगे और अमले में बढ़ोत्तरी की जायेगी। अगले दस दिनों में सभी जी+3 एवं इससे अधिक ऊँचाई के भवनों में सुरक्षा प्रबंधों की जांच होगी। इसके लिये दलों का गठन किया गया है। हाईराइज बिल्डिंग में अग्निशमन के लिये विशेष वाहन खरीदे जायेंगे। हॉस्पिटल और होस्टलों में भी सुरक्षा प्रबंधों की जांच होगी।

यह जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा ली गई आपदा प्रबंधन संबंधी बैठक में दी गई। बैठक में तय किया गया कि शहर की जरूरत के मान से अग्निशमन के लिये नए वाहन खरीदे जायेंगे। ड्रायवर सहित सहायक कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जायेगी। अगले दस दिनों में सभी जी+3 एवं इससे अधिक ऊँचाई के भवनों में सुरक्षा प्रबंधों की जांच होगी। इसके लिये दलों का गठन किया गया है। हाईराइज बिल्डिंग में अग्निशमन के लिये विशेष वाहन खरीदे जायेंगे। हॉस्पिटल और होस्टलों में भी सुरक्षा प्रबंधों की जांच होगी। कलेक्टर सिंह ने जी+3 एवं उससे अधिक तथा 15 मीटर से ऊंचे समस्त भवनों में अग्नि दुर्घटना की रोकथाम हेतु सुरक्षा उपायों की नियमानुसार स्थापना एवं संधारण/संचालित किये जाने के संबंध में समिति का गठन किया है। उक्त गठित समिति संबंधित क्षेत्रान्तर्गत जी+3 एवं 15 मीटर से ऊंचें समस्त निर्मित (एन.बी.सी पार्ट 04 की कंडिका क्रमांक-1.2 में तथा उल्लेखित सभी भवनों में अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रावधानित) संचालित शासकीय एवं गैर शासकीय भवनों बहुमंजिला भवनों की अग्नि सुरक्षा के साधनों के संधारणों की जाँच कर स्पष्ट अभिमत सहित जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इन्दौर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र हेतु अलग-अलग समिति का गठन किया गया है।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिये कि उक्त भवनों में प्रवेश और निर्गम की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराये। अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था भी हो। सुरक्षा प्रबंधों में लापरवाही पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

कोचिंग जा रही छात्रा से छेड़छाड़,प्रकरण दर्ज

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में कोचिंग जा रही रही छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के मुताबिक 22 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि भोलेनाथ कालोनी कंट्रोल वाली गली से जा रही, तभी आरोपित रोहित पगारे निवासी राजनगर वहां पहले से ही खड़ा था। कहने लगा मुझसे बात करना क्यों बंद की। बात करने का मना किया तो अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वहां भाग कर अपने घर तरफ जाने लगी तो घर तक पीछा किया। बता दें कि पीड़िता और आरोपित की पहले दोस्ती थी, लेकिन आरोपित के नशा करने की बात पता चलने पर उसने बात बंद कर दी थी।

मैं खुद रोजाना रहूंगा मैदान में : निगमायुक्त

इंदौर। शहर की सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास जहां नवागत निगमायुक्त शिवम वर्मा ने शुरू किए, वहीं गौशालाओं की भी उन्होंने सुध ली है। वहीं आयुक्त ने अधिनस्थ अधिकारियों को भी दो टूक कहा है कि वे रोजाना 10 से 15 नागरिकों से मिलें और उनका फीडबैक लें और वे खुद भी मैदान में रहेंगे और नागरिकों से जानकारी लेंगे। कल ही उन्होंने निगम कंट्रोल रूम पहुंचकर शिकायत पंजी के आधार पर सीधे फोन लगाकर भी जानकारी ली। 18 मार्च की सुबह आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के साथ ही कल यशवंत सागर रोड रेशम केंद्र के पास स्थित निगम गौशाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अखिलेश उपाध्याय एवं अन्य उपस्थित थे।आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा प्रात-काल में मधु मिलन चौराहा, आरएनटी मार्ग, रीगल चौराहा, राजकुमार ब्रिज, टीआरपी लाइन, भंडारी ब्रिज चौराहा, पोलो ग्राउंड रोड, मरीमाता चौराहा, किला मैदान चौराहा, वीआईपी रोड, 60 फीट रोड, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए, फुटपाथ पर लगे लीटरबीन की सफाई व्यवस्था व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा यशवंत सागर रोड के पास स्थित रेशम केंद्र गौशाला का अवलोकन किया गया। आयुक्त द्वारा रेशम केंद्र गौशाला में वर्तमान में कितनी गाय माता है, उनको यहां पर किस प्रकार से रखा जाता है इसके संबंध में जानकारी ली गई। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं प्रभारी गौशाला डॉ अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि यहां पर आने वाली गाय को अलग-अलग शेड में रखा जाता है साथ ही निगम गौशाला में दुर्घटनाग्रस्त एवं अन्य बीमारी से ग्रसित गाय के उपचार के लिए बनाए गए उपचार केंद्र का भी अवलोकन किया गया। आयुक्त द्वारा रेशम केंद्र स्थित गौशाला को बेहतर एवं सुविधाजनक बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करने के भी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए गए।

आज इंदौर में वायु की स्वच्छता को लेकर होगा गहन चिंतन मनन

इंदौर। वायु स्वच्छता को लेकर आज इंदौर शहर में सात शहरों के प्रदूषण नियंत्रण विभाग के विशेषज्ञ जुटने वाले हैं। यह आयोजन आज 20 मार्च को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होने जा रहा है। कल मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में स्वच्छ वायु कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें इंदौर, भोपाल, उज्जैन, देवास, जबलपुर, ग्वालियर, सागर के प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारी शामिल होने जा रहे हैं। यह सभी स्वच्छ आबोहवा, यानी प्रदूषणमुक्त वायु के विषय में चिंतन-मनन करेंगे। इसके अलावा इस कार्यशाला में इन शहरों के निगम आयुक्त या निगम के अन्य अधिकारी भी अपने-अपने शहरों में वायु स्वच्छता को लेकर चल रहे कामकाज और संबंधित योजनाओं की जानकारी देंगे और अपने-अपने अनुभव बताएंगे।

2 महीने में जुटाई पेड़ों की सम्पूर्ण जानकारी, 6 साल पहले अटक गया था अभियान

इंदौर। पिछले 2 माह से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहर की नगर निगम सीमा में मौजूद लगभग 50 प्रतिशत पेड़ों की सम्पूर्ण जानकारी सहित पूरी जन्म कुंडली जियो टैगिंग तकनीक के जरिये बनाई जा चुकी है। बाकी बचे पेड़ो की जन्म कुंडली अब चुनाव के बाद बनाई जाएगी। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट इंदौर के सीईओ के अनुसार 4 लाख 50 हजार पेड़ों की डिजिटल काउंटिंग यानी जियो टैगिंग में 1 करोड़ 4 लाख रुपए खर्च हुए हैं। बाकी पेड़ों की जानकारी जुटाने के लिए चुनाव बाद नए टेंडर निकालेंगे।शहर के किस वार्ड और किस झोनल कार्यालय सीमा में किस उम्र के किस प्रजाति के कितने नए और कितने पुराने पेड़, कितने पेड़ कट चुके हैं या कितने नए पेड़ लग रहे हैं, यह सारी जानकारी अब जियो टैगिंग के जरिये डेशबोर्ड और ऐप 311 के इस्तेमाल से सिर्फ एक क्लिक पर मिल जाएगी। अधिकारियों के अनुसार निजी और सरकारी जमीनों पर मौजूद पेड़ों की संख्या 12 लाख से ज्यादा है, वहीं पर्यावरण प्रेमी संस्थाओं के हिसाब से पेड़ों की संख्या लगभग 10 लाख है, जो शहर की जनसंख्या और प्रदूषण को नियंत्रण करने के हिसाब से बहुत कम है। लगभग 6 साल पहले साल 2018 में भी पेड़ों की सम्पूर्ण जन्मकुंडली बनाने की शुरुआत की गई थी, मगर 2 लाख पेड़ों की जानकारी जुटाने के बाद आर्थिक कारणों से अभियान अटक गया था। इस बार नए साल 2024 में जनवरी माह में पेड़ों की जियो टैगिंग के प्रथम चरण की शुरुआत हुई और फरवरी माह तक लगभग 4 लाख 50 हजार पेड़ों जियो टैगिंग हो चुकी है।

फसल कटाई उपरांत नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

इंदौर। कृषि विभाग ने इंदौर जिले के समस्त किसानों से आग्रह किया कि वे फसल कटाई के पश्चात नरवाई नहीं जलाये। नरवाई जलाने पर प्रतिबंध है। नरवाई जलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। कृषि विभाग के उप संचालक शिवसिंह राजपूत ने बताया कि किसानों को इस संबंध में जागरूक भी किया जा रहा है। फसल कटाई उपरांत अवशेषों को जलाने की घटनाओं को रोकने हेतु कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार कर कृषकों को पंचायत स्तर पर समझाइश दी जा रही है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार (Air Prevention and Control of pollution) Act, 1981 के निर्देशों के क्रम में फसलों विशेषतः गेहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। जिसमें ऐसा कोई व्यक्ति/निकाय/कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है, तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2 हजार 500 रूपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। इसी प्रकार 2 से 5 एकड़ भूमि होने पर 5 हजार रूपये तथा 5 एकड़ भूमि होने पर 15 हजार रूपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड का प्रावधान किया गया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया है कि वे उक्त प्रतिबंध का कड़ाई से पालन करवाये। किसानों से कहा गया है कि वे गेहूँ कटाई उपरांत स्ट्रारीपर से बचे अवशेषों से भूसा बनाये अथवा रोटावेटर चलायें, भूसे से अतिरिक्त आय प्राप्त होगी तथा आग लगाने से पर्यावरण एवं मृदा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणामो से बचा जा सकेगा।

कृषको से अपील की जा रही है कि वे खेतो मे नरवाई न जलाये, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होने से बचेगा साथ खेत के साथ लगे अन्य स्थानों पर कोई अप्रिय घटना नहीं होगी। साथ ही नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल एक्ट के तहत आर्थिक दण्ड से भी बचा जा सकता है।

शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों के अवकाश पर लगाया प्रतिबंध

इंदौर। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के साथ ही तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। चुनाव को देखते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार के शासकीय, अर्द्ध शासकीय विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में कार्यरत शासकीय सेवकों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेशानुसार आगामी आदेश तक समस्त प्रकार के आकस्मिक एवं अर्जित अवकाश प्रतिबंधित रहेंगे।इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव को देखते हुए केन्द्र एवं राज्य सरकार के शासकीय, अर्धशासकीय शासकीय सेवकों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह द्वारा आदेश जारी कर दिये गये है। इसमें सभी प्रकार के आकस्मिक एवं अर्जित अवकाश प्रतिबंधित रहेंगे। यदि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को 2 दिवस से अधिक का आकस्मिक अवकाश की आवश्यकता होने पर कार्यालय प्रमुख प्रस्ताव भेजेंगे।कार्यालय प्रमुख अपनी अनुशंसा सहित प्रस्ताव नोडल अधिकारी (कार्मिक प्रबंधन) को प्रेषित करेंगे। उनसे अनुमति प्राप्त कर कार्यालय प्रमुख अवकाश की स्वीकृति प्रदान करेंगे। चिकित्सा, मेडिकल अवकाश के लिए संबंधित शासकीय सेवक को मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्वाचन कार्यालय, कार्मिक प्रबंधन शाखा में निर्वाचन कार्य से मुक्ति के लिए आवेदन कार्यालय प्रमुख के स्पष्ट अभिमत उपरांत आगे भेजे जायेंगें। निर्वाचन से संबंधित आदेश, डाक प्राप्त करने के लिए समस्त केन्द्र एवं राज्य सरकार के शासकीय, अर्द्ध शासकीय विभाग एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कार्यालय अवकाश दिवस में भी खुले रखे जायेंगे। कार्यालय प्रमुख संबंधित आदेश, डाक प्राप्त करने एवं समय सीमा में वितरित कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

अभ्यर्थियों को नवीन बैंक खाते खोलने होंगे

इंदौर। भारत निवार्चन आयोग के द्वारा मध्यप्रदेश लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के लिये कार्यक्रम जारी किया जा चुका है। अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने के साथ निर्वाचन के लिये किये जाने वाले व्यय की जानकारी संधारण हेतु अलग से बैंक खाते की जानकारी दी जानी अनिवार्य है। सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों को अभ्यर्थियों के नवीन बैंक खाते खोलने के लिये निर्देशित किया गया है।

रंगों के त्यौहार पर चुनावी पहरा

गेरों में आदर्श आचार संहिता का असर दिखाई देगा

इंदौर। शहर में रंगों की अनोखी परंपरा पर भी इस बार चुनावी पहरेदारी रहेगी। 30 मार्च को रंगपंचमी आ रही है। इस दिन राजवाड़ा और गेर के मार्ग पर अनुमानित पांच लाख शहरी जुटते हैं। इस भीड़ को भुनाने से नेताओं को परहेज करना होगा। रंगपंचमी पर निकलने वाली गेरों में आदर्श आचार संहिता का असर दिखाई देगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारी गेरों की निगरानी भी करेंगे। ऐसे में आयोजनों के पोस्टर बैनर से रंग उड़ाती गाड़ियों से नेताओं को दूरी बनाना पड़ेगी।रंगपंचमी पर गेर की अनूठी परंपरा सिर्फ इंदौर में ही प्रचलित है। ऐतिहासिक परंपरा को यूनेस्को धरोहर में शामिल करने की कोशिश भी बीते वर्षों में हो चुकी है। परंपरागत रूप से पांच से सात संगठन बीते वर्षों से गेर निकालते हैं। इनमें संरक्षक से लेकर आयोजक के रूप में भी राजनेता जुड़े होते हैं। गेर के कारवां और गाड़ियों पर राजनेता न केवल खुद के प्रचार के लिए तमाम होर्डिंग लगवाते हैं, बल्कि गेर की गाड़ियों पर सवार होकर लोगों पर रंग-गुलाल उड़ाते भी नजर आते हैं। आम चुनावों के बीच आ रही इस रंगपंचमी पर यह परंपरा बदली नजर आएगी। गेर की गाड़ियों से न केवल राजनेताओं के चेहरे गायब हो सकते हैं बल्कि आयोजकों के रूप में उनका नाम भी हटाया जाएगा। इस बीच होली के बाद होने वाला चर्चित आयोजन बजबट्टू सम्मेलन भी इस साल नहीं होगा। आयोजन की कमान संभालने वाले अशोक चौहान (चांदू) और भूपेंद्र केसरी ने सम्मेलन के निरस्त करने की घोषणा कर दी है। चौहान ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के पालन और नियमों के सम्मान में 25 वर्षों से चली आ रही परंपरा को इस साल स्थगित किया गया है। इस संबंध में हम अब सभी को सूचना दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में कवि सम्मेलनों के साथ राजनेताओं का अनोखी वेशभूषा में शामिल होना हमेशा चर्चा का विषय रहा है। शहर की किसी हस्ती को भी बजरबट्टू सम्मान से नवाजा जाता था। इससे पहले कोविड के दौर में भी सम्मेलन स्थगित किया गया था।

भाजपा शुरू करेगी कार्यकर्ता सम्मेलनों का दौर, फिर जनसंपर्क

इंदौर। भाजपा अब अपना प्रत्याशी घोषित होते ही लोकसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता सम्मेलन करने जा रही है। इसकी शुरुआत 21 मार्च से होगी। सम्मेलन के बाद जनसंपर्क शुरू हो जाएगा। वैसे रंगपंचमी के बाद ही चुनावी रंग चढने की संभावना है, क्योंकि एक सप्ताह तक लोग त्योहार में व्यस्त रहेंगे। भाजपा कार्यालय पर भाजपा के प्रमुख नेताओं की बैठक में चुनाव प्रचार-प्रसार के लिए योजनाएं बनाई गईं। बैठक में मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, लोकसभा संयोजक रवि रावलिया, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, मधु वर्मा, जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, गोपीकृष्ण नेमा, मनोहर मेहता, आईडीए के पूर्व अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा मौजूद रहे। बड़े नेताओं ने कहा कि हमारे पास अभी 55 दिन का समय चुनाव प्रचार के लिए बचा है, लेकिन केंद्र और प्रदेश से आने वाले कार्यक्रमों के लिए भी हमें समय देना पड़ेगा।इसलिए ज्यादा से ज्यादा समय आम लोगों के बीच जाकर अपनी बात करने में बिताएं। बैठक में किस प्रकार से आम लोगों से मिला जाएगा और कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों को किस तरह की जवाबदारी दी जाएगी, इस बारे में भी जानकारी दी गई। नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने बताया कि 21 मार्च से कार्यकर्ता सम्मेलन हर क्षेत्र में शुरू हो जाएंगे, जिसमें मार्गदर्शन देने वरिष्ठ नेताओं को भेजा जाएगा। सभी 8 सीटों पर चुनाव प्रबंधन समितियां बन गई हैं और इन समितियों के माध्यम से काम भी शुरू हो गया है। 25 मार्च को होली और उसके बाद रंगपंचमी निपटने के बाद ही जनसंपर्क शुरू हो सकेगा। वहीं यह भी तय हुआ कि बड़े और स्थानीय नेताओं को एक विधानसभा में तीन दिन रुककर वहां कार्यकर्ताओं से संपर्क करना होगा। बैठक में 8 लाख से भाजपा प्रत्याशी लालवानी को जिताने पर भी बात हुई। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी। फिलहाल उन 469 मतदान केंद्रों पर ध्यान दिए जाने की भी बात की गई, जहां से भाजपा लगातार हारती रही है। आज फिर दोपहर में भाजपा कार्यालय पर चुनिंदा नेताओं की एक बैठक और रखी गई है, जिसमें चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी।

दिव्यांग मतदाताओं के लिए बनेंगे रेलिंग वाले रैंप

इंदौर। जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसके तहत मतदान केन्द्रों पर छाया, पेयजल, पंखे आदि की समुचित व्यवस्था रहेगी। दिव्यांग मतदाताओं के लिए रेलिंग वाले रैंप भी बनाए जाएंगे। प्रत्येक जनपद पंचायत में 21 मतदान केंद्रों को आदर्श मतदान केंद्र बनाया जाएगा।इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। मतदान केन्द्रों की तैयारी एवं उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जैन ने निर्देश दिए कि मतदान केन्द्र भवनों के आवश्यक सुधार कार्य अविलम्ब करवाएं। मतदान केन्द्र परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे। मतदान केन्द्र भवनों की आवश्यकता अनुसार पुताई एवं साज सज्जा सुनिश्चित करें।

सभी मतदान केन्द्रों पर विद्युत फिटिंग एवं पंखे, लाइट आदि सही स्थिति में एवं उपयोगी हो। दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केन्द्रों पर सही स्लोप एवं रेलिंग वाले रैम्प बनाए जाएं। ग्रीष्मकाल को देखते हुए मतदान केन्द्रों पर छाया व्यवस्था एवं पेयजल व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना है। सीईओ जिला पंचायत ने प्रत्येक जनपद में 21 मतदान केन्द्रों को आदर्श मतदान केन्द्रों के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए। बैठक मे जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय तिवारी, जिले की चारों जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक यंत्री उपस्थित थे।

कम मतदान वाले केंद्रों पर जागरूकता

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जैन ने स्वीप गतिविधियों के संबंध में जनपद पंचायत की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन मतदान केन्द्रों पर गत निर्वाचन में कम मतदान हुआ, वहां स्वीप गतिविधियां संचालित कर जागरूक किया जाए। ऐसे सभी केन्द्रों के कम मतदान के कारणों का विश्लेषण भी किया जाए। वहीं सभी जनपद पंचायत इन केन्द्रों के लिए स्वीप गतिविधियों के सघन आयोजन का कैलेण्डर तीन दिन में पेश करें। मतदान केन्द्र स्तर के बैग दल, चुनाव पाठशाला एवं शालाओं में मतदाता जागरूकता क्लब को क्रियाशील बनाएं।

महालक्ष्मी ग्राउंड पर आज से शुरू होगा एशियाड सर्कस

सदभावना पाती संवाददाता इंदौर। भारतवर्ष में अनेकों प्रस्तुति देने के बाद इंदौर शहर के महालक्ष्मी ग्राउंड में एशियाड सर्कस अपने 100 से अधिक कलाकार व साथियों के साथ 40 दिनों तक रंगारंग प्रस्तुति देने को तैयार है। आयोजक राजू पहलवान व मैनेजर शिव बहादुर सिंह ने बताया कि 1990 में यूपी के शहर लखनऊ से हमने शुरुआत की, यहां कलाकारों द्वारा रशियन रिंग डांस, रशियन प्लास्टिक बोनस, रशियन लड़कियों द्वारा तीरंदाजी, अफ्रीकन कलाकारों द्वारा जिमनास्टिक, ओके बंबू बैलेंस, फायर डांस, रिंग डांस, साइकिल प्रोग्राम, स्पेशल मौत के गोले में तीन मोटरसाइकिल चालक आदि प्रस्तुतियां होगी। रोजाना 3 शो का आयोजन किया जाएगा। सर्कस के अंदर पूर्णता पारिवारिक माहौल रहेगा। हर जगह सिक्योरिटी गार्ड उपलब्ध रहेंगे ताकि सर्कस में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो, साथ ही बच्चों के मनोरंजन के लिए खाने-पीने के स्टॉल की व्यवस्था भी की गई है।

भगोरिया पर्व संस्कृति के रंगों से हुआ सराबोर, छाया उल्लास झाबुआ आलीराजपुर में आदिवासी अंचल के लोकप्रिय सदभावना भगोरिया मेले का आयोजन शुरू हो गया है। अब भगोरिया मेला अपने पूर्ण रंग में रंगा हुआ दिख रहा है। युवक-युवती अपने पारंपरिक भारतीय संस्कृति, सभ्यता से सदभावना से भरे पारंपरिक वस्त्रों में नजर आने लगे हैं। वे अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने में सक्षम हैं।

संपादकीय

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बड़ी चुनौती

आम चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गई है। सात चरण में मतदान होंगे। पहले चरण के मतदान से लेकर नतीजों की घोषणा तक डेढ़ महीने चुनाव का माहौल बना रहेगा। पहले चरण के मतदान से पहले भी पूरा एक महीना राजनीतिक दलों को मिला है। यानी चुनाव कुल ढाई महीने की अवधि में फैला है। यों राजनीतिक दल इसके लिए काफी पहले से तैयारियों में जुट गए थे। उम्मीदवारों के नामों की घोषणा, सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे आदि को लेकर मंथन काफी समय से चल रहा था। अब वे अपना-अपना समीकरण लेकर मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव का ज्यादा दारोमदार आखिरकार मतदाता पर होता है।

वह चुनाव को क्या दिशा देता है, इस पर दुनिया की नजर टिकी होती है। मगर कुछ चुनावों के अनुभवों से जाहिर है कि मतदाता चुनाव को लोकतंत्र के उत्सव के रूप में मनाने के बाजाय दलगत उन्माद से भर जाते हैं। इसी का नतीजा कई जगहों पर राजनीतिक हिंसा में दिखाई देता है। कुछ राज्यों में हिंसा की घटनाएं चिंता पैदा करती हैं। इसी के मद्देनजर भारतीय निर्वाचन आयोग को अपनी रणनीति तैयार करनी पड़ती है। चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप में संपन्न कराए जा सकें, यह निर्वाचन आयोग के सामने बड़ी चुनौती होता है। चुनाव के वक्त राजनीतिक दल एक-दूसरे पर स्वाभाविक रूप से आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं। उसमें कई बार आपत्तिजनक बयान भी आ जाते हैं। उस पर नजर रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मगर पिछले कुछ चुनावों से देखा जा रहा है कि पार्टियों के समर्थक खुद राजनेताओं के बयानों के बचाव या विरोध में परस्पर गुत्थम-गुत्था हो जाते हैं। पश्चिम बंगाल और दक्षिण के कुछ राज्यों में ऐसा वातावरण कुछ अधिक देखने को मिलता है। लोकतंत्र में असहमति अच्छी बात है, मगर उसे लेकर हिंसा पर उतर जाना किसी भी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। इससे नाहक निर्वाचन आयोग और सुरक्षाबलों की परेशानियां बढ़ती हैं। बहुत सारे मतदाताओं के मनोबल पर भी इसका असर पड़ता है और वे मतदान केंद्रों तक पहुंचने से हिचकते हैं। एक लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हर मतदाता से उम्मीद की जाती है कि न केवल वह अपने विवेक से मतदान करे, बल्कि मतदान की प्रक्रिया को भी बाधित होने से बचाए। मतदान के बदले राजनीतिक दलों की तरफ से दिए जाने वाले पैसे और उपहार वगैरह के प्रलोभन से पार पाना भी बड़ी चुनौती बन गया है, इस मामले में भी मतदाताओं की मदद की अपेक्षा है। हालांकि इतने लंबे समय तक चुनाव को फैला देने पर कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों के एतराज को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। चुनाव की अवधि जितनी लंबी खिंचती है, उतनी ही उसमें गड़बड़ियों की आशंका भी बनी रहती है। इसे लेकर कई बार आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है। पहले चरण के मतदान के बाद करीब डेढ़ महीने तक वोटिंग मशीनों की निगरानी करनी पड़ेगी। इतने लंबे समय तक आदर्श आचार संहिता लागू रहने से सरकारी कामकाज भी प्रभावित होंगे। सुरक्षाबलों को लगातार एक से दूसरे इलाके में स्थांतरित करते रहना पड़ेगा। इसलिए मांग की जाती रही है कि चुनाव को कम से कम समय में संपन्न कराया जाना चाहिए। हालांकि सुरक्षा कारण बड़ी चिंता का विषय हैं, पर इतनी लंबी अवधि में फैले चुनाव में स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना खुद निर्वाचन आयोग के लिए भी कम कठिन काम नहीं होता है।

सोशल मीडिया से...

''उन्होंने कहा है कि उनकी लड़ाई 'शक्ति के खिलाफ है। मेरे लिए हर मां-बेटी शक्ति का रूप है। मैं आपकी शक्ति के रूप में पूजा करता हूं। भारत मां का पुजारी हूं। मैं आप शक्ति स्वरूपा सब बहन बेटियों का पुजारी हूं। और जिन्होंने कल शिवाजी पार्क में... 'इंडी अलायंस ने अपने घोषणापत्र में शक्ति को खत्म करने के लिए कहा है... मैं इस चुनौती को स्वीकार करता हूं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

बिहार की सभी 40 लोकसभा सीटों पर एनडीए एकजुट होकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के संकल्प के साथ चुनाव लड़ेगा और सभी सीटों पर जीत हासिल करेगा। बिहार की जनता पहले से ही एनडीए के पक्ष में वोट करने का मन बना चुकी है, क्योंकि उसे नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा है। बिहार में परिवारवादी, भ्रष्टाचारी विपक्षी गठबंधन का कोई अस्तित्व नहीं है।

सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम, बिहार

चुनावी बॉन्ड घोटाले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं। उनसे ही पूछा जाना चाहिए कि सरकार ने चुनावी चंदा हासिल करने के लिए बदले की भावना से काम क्यों किया। इन दोनों ने ही इस योजना के जरिए भाजपा के खातों में काला धन भेजने की साजिश रची थी।

जयराम रमेश, कांग्रेस नेता

संभागायुक्त इंदौर संभाग दीपक सिंह एवं आईजी अनुराग ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए संभागायुक्त इंदौर संभाग दीपक सिंह, आईजी अनुराग एवं डीआईजी अतुल सिंह ने मंगलवार को खंडवा में हुकुमचंद यादव शासकीय नवीन आदर्श स्नातक महाविद्यालय में प्रस्तावित मतगणना स्थल का दौरा कर वहां की व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने स्ट्रांग रूम, विधानसभावार मतगणना कक्ष, प्रेक्षकों के लिए तैयार किए जाने वाले कक्ष, टेबूलेशन कक्ष के लिए प्रस्तावित हॉल देखे एवं निर्वाचन के दौरान इन कक्षों में की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर अनूप कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक मनोज राय, अपर कलेक्टर के.आर. बड़ोले, उप जिला निर्वाचन अधिकारी आर.सी. खतेड़िया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र तारणेकर, राजेश रघुवंशी सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे। संभागायुक्त सिंह ने मतदान सामग्री वितरण एवं सामग्री जमा करने के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही उन्होंने पेयजल व्यवस्था, वाहन पार्किंग आदि व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली।

इस्लामिक देशों के एजेंडे पर चल रहा संयुक्त राष्ट्र?

संयुक्त राष्ट्र (यूनाइटेड नेशंस) ने 15 मार्च को ऐतिहासिक पहल करते हुए दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया है। यूएन में सिर्फ प्रस्ताव ही पारित नहीं हुआ बल्कि दुनियाभर के देशों से कहा गया है कि वो अपने यहां ऐसे कानून बनाये जिससे इस्लाम की बेहूरमती न होने पाये। इस्लामोफोबिया के खिलाफ इस प्रस्ताव को आर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कन्ट्रीजकी ओर से पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में पेश किया था जिसके समर्थन में 115 देशों ने मतदान किया। इनमें चीन, रूस और अमेरिका भी शामिल हैं। 44 देशों ने इस मतदान में हिस्सा नहीं लिया जिसमें भारत सहित यूरोप के अधिकांश देश शामिल हैं। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत श्रीमती रुचिरा कम्बोज ने भारत के इस मतदान से दूर रहने की वजह बताते हुए कहा कि यह समय है जब हमें रिलिजिसफोबिया की ओर ध्यान देने की जरूरत है, बजाय इसके कि हम एक धर्म की बात करें। उन्होंने दुनिया के 1.2 अरब हिन्दुओं, 50 करोड़ बौद्धों और 2 करोड़ सिखों की बात करते हुए कहा कि हमें उनके भी मानवाधिकारों की बात करनी चाहिए जिनके साथ धर्म के नाम पर भेदभाव किया जाता है और उनका उत्पीड़न होता है।

संजय तिवारी

असल में संयुक्त राष्ट्र में इस्लामोफोबिया को लेकर जो प्रस्ताव आया है वह प्रस्ताव ही भेदभावपूर्ण है। इसमें एक धर्म के खिलाफ लोगों की बढ़ती नफरत पर चिंता तो व्यक्त की गयी है लेकिन अन्य धर्मों के खिलाफ जो नफरत है उसकी अनदेखी कर दी गयी है। यूएन द्वारा जारी प्रेस रिपोर्ट में ईसाई और यहूदी का एक लाइन में जिक्र तो है लेकिन दुनिया के तीसरे बड़े धर्म हिन्दू का जिक्र ÷अन्य÷ के रूप में किया गया है।

जबकि जिस पाकिस्तान ने यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तुत किया है, उस पाकिस्तान में हिन्दुओं, ईसाइयों को नरकीय जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। नागरिक अधिकारों का ऐसा भीषण भेदभाव है कि कोई गैर मुस्लिम पाकिस्तान के शीर्ष पदों पर संवैधानिक रूप से बैठ ही नहीं सकता। लेकिन इस प्रस्ताव के यूएन में पास होने से ऐसा लगता है कि संयुक्त राष्ट्र नहीं बल्कि उसका बुनियादी चरित्र बदलकर ओआईसी वाला हो गया है। संयुक्त राष्ट्र में पिछले साल से इस्लामोफोबिया के खिलाफ माहौल बनना शुरु हुआ और इस साल प्रस्ताव पास करके दुनियाभर के देशों को इसे रोकने के लिए कानून बनाने के लिए कह दिया गया।

अब इसके लिए पर्याप्त धन और प्रभाव का इस्तेमाल भविष्य में किया जाएगा ताकि दुनिया के सभी गैर मुस्लिम देशों में ऐसे कानून बन जाएं ताकि वहां इस्लाम की सच्चाई बताने, या फिर इस्लामिक हिंसा के बारे में जानकारी देने को अपराध माना जाए। इस्लामिक देशों में ऐसा पहले से ही है। दुनिया के जितने भी इस्लामिक देश हैं वहां इस्लाम की निंदा, आलोचना या उसके प्रतीकों पर सवाल उठाने को अपराध समझा जाता है। पाकिस्तान जैसे इस्लामिक देश में तो इसके लिए आजीवन कारावास और मौत की सजा तक का प्रावधान है।

मतलब इस्लामिक देशों में रहते हुए आप किसी भी प्रकार से इस्लामिक सिद्धांतों, प्रतीकों पर सवाल नहीं उठा सकते। एक मनुष्य की सभी प्रकार की अभिव्यक्ति की आजादी तब खत्म हो जाती है जब वह इस्लाम पर सवाल उठाना चाहता है। ओआईसी और अन्य इस्लामिक देश अब यही व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र के जरिए संसार के सभी गैर इस्लामिक देशों में बनाना चाहते हैं।

असल में संयुक्त राष्ट्र में ओआईसी का प्रभाव इस सदी की शुरुआत में उस समय बढ़ना शुरु हुआ जब दुनियाभर में इस्लामिक आतंकवाद पैर पसार चुका था। इसी दौर में ओआईसी ने संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकल संसार में उभरते विरोधाभासों से निपटने में मदद की पेशकश की। इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी की इस पेशकश का संयुक्त राष्ट्र ने स्वागत किया। लेकिन अब लगभग 23-24 साल बाद वह सहयोग इस्लामोफोबिया के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव और प्रयास के रूप में सामने आया है।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2006 में आतंकवाद के खिलाफ जिस प्रस्ताव को पेश किया गया था वह भी मेलजोल से विवादों को सुलझाने और सभी धर्मों का सम्मान करने जैसे उपदेशों से भरा हुआ था। लेकिन उस समय जिस काउण्टर टेररिज्म इंपलीमेन्टेशन टास्क फोर्स का गठन किया गया था वह खत्म हो चुका है। स्वाभाविक है इस्लामिक देशों के संगठन के साथ तालमेल करके संयुक्त राष्ट्र ने जो पहल शुरु की थी, आखिरकार ओआईसी ने संयुक्त राष्ट्र को ही इस्लामिक देशों के संगठन के रूप में परिवर्तित कर दिया।

इस्लामिक देशों खासकर अरब देशों के पास पैसा है और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं हमेशा अपने दानदाताओं के प्रभाव में रहती हैं। अगर संयुक्त राष्ट्र इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए संसाधन खर्च करने की बात कर रहा है तो इसके पीछे अमीर अरब देशों का ही पैसा होगा। पाकिस्तान जैसे देश तो सिर्फ मुखौटा हैं जो आगे बढ़कर अपने आपको सच्चा इस्लामिक मुल्क साबित करना चाहते हैं। यह अरब देशों का ही पैसा और प्रभाव है कि संयुक्त राष्ट्र सभी प्रकार के मानवाधिकारों को किनारे करके इस्लामिक प्रतीकों की रक्षा करने में जुट गया है।

संयुक्त राष्ट्र के इस %इस्लामीकरण% में यूएन सेक्रेटरी जनरल एन्टोनियो गुन्टेरेस, उनकी डिपुटी अमीना मोहम्मद या फिर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के अध्यक्ष वोल्कर तुर्क की तिकड़ी की भी अहम भूमिका है। वोल्कर तीन दशक से संयुक्त राष्ट्र से जुड़े हैं और उनके कैरियर की शुरुआत ही कुवैत की फंडिंग से हुई थी। उनके वक्तव्य, बयान और प्रयास संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख के बजाय इस्लामिक अधिकारों के लिए लड़नेवाले किसी मौलाना की तरह होते हैं। यूरोप में जब से इस्लाम की सच्चाई बताने या कुरान जलाने की घटनाएं हुई हैं तब से इस तिकड़ी के इस्लामिक प्रतीकों की इज्जत करने तथा इस्लाम के प्रति सहिष्णुता बढाने वाले बयान आते रहते हैं।

उन प्रयासों का यह चरम था कि सभी प्रकार के नागरिकों के मानवाधिकार किनारे करते हुए किसी इस्लामिक संगठन की तरह संयुक्त राष्ट्र ने इस्लामोफोबिया के खिलाफ न सिर्फ प्रस्ताव पारित कर दिया बल्कि हर साल 15 मार्च को इसके खिलाफ एकजुट होने का आह्वान भी कर दिया। यह बिल्कुल वही तरीका है कि क्राईम करके अपने आप को विक्टिम घोषित कर दो। इससे लोग आपके क्राइम के बजाय आपके विक्टिम होने पर चर्चा शुरु कर देंगे।

संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं के लिए यह महत्वपूर्ण नहीं है कि वो इस्लामिक देशों के संगठन की तरह व्यवहार करे। इस्लामिक सिद्धांत मेलजोल वाली सभ्यताओं में विश्वास नहीं करते इसलिए उन्होंने अपना अलग वैश्विक संगठन ओआईसी बना रखा है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र भी अगर ओआईसी की भाषा बोलेगा तो दुनिया के उन देशों के लिए संकट पैदा होगा जो संयुक्त राष्ट्र को सर्वधर्म समभावी संगठन मानकर उससे जुड़े हुए हैं। इस्लामोफोबिया उन लोगों द्वारा गढा गया एक सिद्धांत है जो नहीं चाहते कि इस्लामिक सच्चाइयां सबके सामने आये। वरना अगर इनकी नीयत ठीक होती तो संसार के अलग अलग बौद्धिक और सामाजिक मंचों का इस्तेमाल करके वो यह साबित कर देते संसार के लोग इस्लाम के बारे में जैसा सोचते हैं, इस्लाम वैसा नहीं है। यह करने के बजाय इस्लामिक देशों का समूह और अब संयुक्त राष्ट्र भी गैर इस्लामिक देशों को भी उन इस्लामिक देशों की तरह बनाना चाहते हैं जहां इस्लाम की आलोचना या समीक्षा के लिए भी सरकारी सजा का प्रावधान है।

अब संयुक्त राष्ट्र चाह रहा है संसार के सभी प्रकार के संचार माध्यमों से इस्लाम की आलोचना या समीक्षा पर रोक लगे। खासकर सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर ऐसे फिल्टर्स का इस्तेमाल किया जाए जो इस्लाम की आलोचना को खत्म करते हों। लेकिन खुद मुस्लिम समुदाय जो इस्लाम के अलावा बाकी हर धर्म को कुफ्र मानकर उसे समाप्त करने की वकालत करता है उसके ऊपर कोई चर्चा करने से संयुक्त राष्ट्र क्यों परहेज कर रहा है? क्या इस प्रकार से कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था अपनी विश्वसनीयता बचाकर रख पायेगी?

यह तो अच्छा है संयुक्त राष्ट्र के इस भेदभावपूर्ण प्रस्ताव से भारत सहित संसार के 44 देशों ने अपने आपको अलग कर लिया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के सामने यह सवाल हमेशा रहेगा कि धार्मिक भेदभाव की बजाय उन्होंने इस्लामोफोबिया का मुद्दा क्यों उठाया? संसार के सभी गैर मुस्लिम देशों को दार-उल-हर्ब मानकर उसके खिलाफ जंग को जायज माननेवालों पर सवाल क्यों नहीं उठाया जा सकता? पूरी मानवता को काफिर और मोमिन में बांटनेवाली विचारधारा पर अगर कोई व्यक्ति सवाल उठाता है तो उस सवाल का जवाब देने के बजाय उसे ही इस्लामोफोबिया का दोषी ठहरा देना कहां का मानवाधिकार है, जिसकी वकालत यूएन कर रहा है?

शहर के युवा ही चयन करेंगे नया सांसद

इंदौर। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कल से मध्यप्रदेश की 6 सीटों पर नामांकन जमा होना शुरू होंगे। हालांकि इंदौर में चौथे चरण में मतदान 13 मई को होना है। 27 लाख 92 हजार से अधिक मतदाता हो गए हैं, जिनमें सर्वाधिक युवा मतदाताओं की संख्या है, जो अपना सांसद चुनेंगे। 30 से 40 उम्र के मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक साढ़े 7 लाख है तो इसी तरह 20 से 30 साल के मतदाताओं की संख्या भी लगभग 6 लाख तक पहुंच गई है। वहीं जिले में 4 सबसे बुजुर्गवार मतदाता हैं, जिनकी उम्र 110 साल से 119 साल के बीच है। इस बार आयोग ने 80 के बजाय 85 साल या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गवार मतदाताओं को घर बैठे मतदान की सुविधा दी है तो विकलांगों को भी इसका लाभ मिलेगा। 100 से अधिक उम्र वाले मतदाताओं की संख्या हालांकि 190 है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने भी इंदौर सहित संभाग के सभी जिलों में निर्वाचन संबंधी तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा समीक्षा की। बैठक में इंदौर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि जिले में निर्वाचन की आचार संहिता लागू होते ही प्रशासन द्वारा जारी किए जाने वाले सभी आदेश प्रसारित कर दिए गए हैं। पुलिस के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया है। सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई है। बैठक में झाबुआ कलेक्टर नेहा मीणा ने बताया कि झाबुआ जिले में अंतरराज्यीय सीमा पर नाके स्थापित कर दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने बताया कि झाबुआ में गुजरात की सीमा लगने से यहां विशेष सावधानियां रखी जा रही हैं। बैठक में बड़वानी कलेक्टर डॉ. राहुल हरिदास फटिंग ने बताया कि जिले में कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गई है।इंदौर जिले की मतदाता सूची में 13717 दिव्यांग मतदाता दर्ज हैं, जिनमें से 2232 धार जिले के लिए मतदान करेंगे, वहीं इंदौर जिले के 11485 दिव्यांग वोट डालेंगे। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 1875 सेवा मतदाता चिह्नित किए गए हैं। वहीं 85 की उम्र पार कर चुके ऐसे मतदाता, जिन्हें घर बैठे मतदान की सुविधा दी जाना है, उन्हें भी चिह्नित कर लिया गया है। अब तक 10611 की सूची तैयार कर ली गई है। इस हिसाब से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए 27 लाख 95 हजार 751 कुल मतदाता हैं, जिनमें से 14 लाख 11 हजार 166 पुरुष तो 13 लाख 84 हजार 483 महिलाएं हैं। थर्ड जेंडर कैटेगरी में 102 मतदाता सूची में दर्ज हैं, जिनमें से पांच मतदाता धार के लिए मतदान करेंगे।

जिला न्यायालय इन्दौर में पैरालीगल वालेंटियर के लिए आवेदन आमंत्रित

इंदौर। राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा संचालित की जाने वाली योजनाओं का प्रचार-प्रसार तथा समाज के पिछड़े तबके के लोगों को एवं जरूरतमंदों को निशुल्क विधिक सहायता प्रदान किए जाने के उद्देश्य से पैरालीगल वालेंटियर की नियुक्ति की जाना है। वर्तमान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर के द्वारा तहसील इंदौर के अंतर्गत कार्य किए जाने हेतु पैरालीगल वालेंटियर बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है।

जिला विधिक सहायता अधिकारी मिथिलेश डेहरिया ने बताया कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जो कि सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हो परंतु राजनीतिक व्यक्ति न हो, शासकीय सेवा से सेवानिवृत व्यक्ति, विधि छात्र, एमएसडब्ल्यू, डॉक्टर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, महिला संगठनों के सदस्य, नगर पालिका नगर निगम संस्थाओं के स्वैच्छिक कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूहों से संबद्ध कोई व्यक्ति, दूरस्थ एवं दुर्बल समूहों से संबद्ध कोई व्यक्ति, जिला न्यायालय में स्थित कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से आवेदन प्राप्त कर सकता है÷

पैरालीगल वालेंटियर का पद पूर्णतः अवैतनिक है। पैरालीगल वालेंटियर की नियुक्ति मानदेय के आधार पर की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना आवेदन कर सकता है। कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 05 अप्रैल, 2024 शाम 05 बजे तक निर्धारित की गई है। इच्छुक व्यक्ति अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर, इन्दौर में सम्पर्क कर सकते हैं।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र ख़त्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भारत पर वैश्विक कंपनियों की निगाह, भविष्य को लेकर आशावादी : नायका सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। सौंदर्य प्रसाधन एवं फैशन कंपनी नायका की संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फाल्गुनी नायर ने कहा कि युवा, महत्वाकांक्षी आबादी, आय के बढ़ते स्तर और मजबूत बुनियादी ढांचे एवं डिजिटल नेटवर्क जैसे सशक्त चालकों के साथ भारत वैश्विक कंपनियों की निगाह में बना हुआ है। भविष्य को लेकर आशावादी नजरिया रखने वालीं नायर ने कहा कि कुछ स्टार्टअप कंपनियों में कॉरपोरेट प्रशासन की खामियों के हालिया उदाहरणों से निवेशकों की अब अधिक जांच होगी। उन्होंने कहा कि उद्यम के शुरुआती दौर में ही प्रशासन का एजेंडा तय करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी कंपनी के बढ़ने या आकार और फलक का विस्तार करने के दौर में कंपनी प्रशासन को लेकर कोई समझौता करना सही नहीं ठहराया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि नाइका प्रशासन के मामले में बहुत मजबूत रही है। उन्होंने एक उद्यमी के तौर पर अपने सफर का जिक्र करते हुए कहा कि 50 साल की उम्र में शुरू हुआ यह सिलसिला अद्भुत रहा है। उन्होंने इच्छुक उद्यमियों को अपने सपनों से प्रेरित होने और लंबी अवधि में टिकाऊ मूल्य के सृजन के लिए अपने उद्यम में निवेश कायम रखने की सलाह दी। नायर भारत में सौंदर्य, व्यक्तिगत देखभाल और फैशन व्यवसाय में वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशावादी नजरिया रखती हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियां भी समग्र वृद्धि के लिए मददगार रही हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही बढ़ती खपत, उद्यमिता, भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचा जैसे तत्व एक साथ आते हैं, भारत पर वैश्विक कंपनियों का ध्यान जा रहा है।

कंगाल हो चुके किशोर बियाणी ने बैंकों को दिया 476 करोड़ का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। कंगाल हो चुके कारोबारी किशोर बियाणी के एक ऑफर ने बैंकों को चौंका दिया है। बियाणी ने केनरा बैंक की अगुवाई वाले कंसोर्टियम को 476 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है। यह ऑफर बंसी मॉल मैनेजमेंट कंपनी के 571 करोड़ रुपये के कर्ज के वन टाइम सेटलमेंट के लिए दिया गया है। यह कंपनी मुंबई के हाजी अली इलाके में सोबो म सेंट्रल मॉल चलाती है।

दिल्ली के कई विभागों में निकली सैकड़ों वैकेंसी, आवेदन 21 मार्च से

दिल्ली। दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड ने लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, स्टाफ कार ड्राइवर, ऑक्सिलरी नर्स/ मिडवाइफ, ड्राफ्ट्समैन ग्रेड-ढ्ढढ्ढ, स्टोर कीपर समेत कई पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है इस भर्ती अभियान के माध्यम से विभिन्न पदों पर 400 से ज्यादा खाली पदों भरा जाएगा डीएसएसएसबी भर्ती 2024 नोटिफिकेशन के अनुसार ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 मार्च 2024 दोपहर 12 बजे से शुरू होगी और 19 अप्रैल रात 11.59 बजे तक चलेगी. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://dsssb.delhi.gov.in/ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

लोकसभा चुनाव का असर - 28 अप्रैल को होने वाली प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान कर सकता है एमपीपीएससी, जल्द जारी होगी नई डेट

लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का सबसे बड़ा असर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं पर पड़ने वाला है। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 और वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तारीखों में बदलाव करने की तैयारी है। फिलहाल पीएससी के अधिकारियों ने तारीख आगे बढ़ाने का फैसला नहीं लिया है। जल्द ही नई तारीखों का ऐलान किया जा सकता है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में चार चरणों में लोकसभा के चुनाव होने वाले हैं। 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को मध्यप्रदेश के 13 लोकसभा सीटों पर मतदान होने वाला है। जबकि परीक्षा की तारीख 28 अप्रैल है।

मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग 28 अप्रैल को होने वाली प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक आयोग के पास एग्जाम आगे बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि शिक्षकों और जिला प्रशासनिक अधिकारी चुनाव ड्यूटी पर रहेंगे। ऐसे में प्रदेश के कई जिलों में होने वाली इस परीक्षा में आयोग को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सूत्रों के मुताबिक देशभर में होने वाले इस बड़े चुनाव कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव कार्य में लगाई जाती है। इसलिए एमपी लोक सेवा आयोग 2024 की रीक्षा अप्रैल माह में कराना संभव नहीं है। आयोग के मुताबिक कई सरकारी विभागों में 88 पदों को भरने के लिए 19 जनवरी स 18 फरवरी तक एमपीपीएससी प्रारंभिक रीक्षा के लिए आवेदन मंगाए गए थे। एमपीपीएससी ने अप्रैल में प्रीलिम्स एग्जाम और 22-27जुलाई तक मुख्य परीक्षा आयोजित करने की योजना बनाई है, लेकिन अब लोकसभा चुनाव के कारण एमपीपीएससी के कैलेंडर में बदलाव किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इंतजार करना पड़ेगा

लोकसभा आयोग ने सभी 55 जिलों में परीक्षाएं आयोजित करने के लिए सभी प्रकार की तैयारियां कर ली थी। एग्जाम कैलेंडर को देखते हुए सभी खुश भी थे, लेकिन चुनाव की तारीखों के कारण अभ्यर्थियों का इंतजार और लंबा खिंच सकता है। माना जा रहा है कि इंटरव्यू तक सबकुछ समय पर हो जाएगा।

सीएम राइज मूसाखेड़ी स्कूल के लिए दो साल बाद मिली जमीन

11 सीएम राइज स्कूलों का संचालन किया जा रहा जिले में

इंदौर। इंदौर जिले में 11 सीएम राइज स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। इनमें से अधिकांश स्कूलों में नए भवन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, लेकिन सीएम राइज मूसाखेड़ी स्कूल के लिए अब जाकर जमीन मिल पाई है, वहीं मौजूदा केंपस से करीब 1.5 किमी दूर स्कीम-140 में मिली है। हालांकि अब तक शिक्षा विभाग को यह जमीन आवंटित नहीं हुई है। जिले में सीएम राइस श्रेणी में यह पहला स्कूल है, जहां दो अलग-अलग कैंपस में स्कूल का संचालन शुरू होगा। अफसरों के अनुसार जमीन आवंटित होते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

जानकारी के अनुसार, सीएम राइस मूसाखेड़ी स्कूल में पहली से लेकर 12वीं तक एक हजार विद्यार्थी अध्ययनरत है। स्कूल का भवन 2020 में ही बनकर तैयार हुआ है। इस लिहाज से इसे तोड़ा नहीं जाएगा। इस कैंपस का कुल क्षेत्र 0.9 हेक्टयर है। ऐसे में सीएम राइज स्कूल भवन यहां बनना संभव नहीं है। स्कूल प्राचार्य एसएस मौर्य ने बताया कि सीएम राइज स्कूल के लिहाज से मौजूदा जमीन कम है, इसलिए कुछ समय पहले ही जिला शिक्षा अधिकारी के साथ स्कीम-140 में नजूल की 1.8 हेक्टयर जमीन तय की है। जमीन के लिए प्रशासन को आवेदन दिया गया है, लेकिन अब तक आवंटन नहीं हुआ है। आवंटन होते ही आइडीए द्वारा टेंडर जारी किया जाएगा। यह सीएम राइज स्कूल दो कैंपस में संचालित होगा। मौजूदा परिसर में पहली से आठवीं तक कक्षाएं संचालित होगी। वहीं दूसरे कैंपस में 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित होगी। दोनों परिसरों में करीब 1.5 किमी की दूरी रहेगी।

तीन साल पहले बनी इमारत तोड़ने की थी तैयारी

जानकारी के अनुसार, पहले स्कूल एक ही कैंपस में बनाने की योजना थी, जिसके चलते 2020 में करीब 1.5 करोड़ रुपये की लागत से बने तीन भवन को तोड़ा जाना था। लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव और लोक शिक्षण आयुक्त ने यहां दौरा किया था, जिसमें भवन तोड़ने से मना कर आइडीए को नई योजना बनाने को कहा था।

नहीं हुआ जमीन का आवंटन

जानकारी के अनुसार, स्कीम-140 में सर्वे नंबर 457 की 1.8 हेक्टेयर जमीन तय की गई है। यह जमीन नजूल विभाग की है। शिक्षा विभाग द्वारा जमीन आवंटन के लिए कलेक्टर आशीष सिंह को पत्र भेजा जा चुका है।

तीन महीने में सप्लाय करना होगी दो लाख कॉपियां

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में परीक्षा की उत्तर पुस्तिका को लेकर कमी बनी है। छह महीने बाद विश्वविद्यालय ने कापियां खरीदने की प्रक्रिया शुरू की है। टेंडर जारी हो चुके है, जिसमें तकनीकी पहलुओं पर कुछ एजेंसी को परखा है। मगर अभी वित्त स्तर पर एजेंसियों का टर्नओवर देखना बाकी है। अगले सप्ताह एजेंसियों के प्रस्ताव पर मंथन किया जाएगा। उसके बाद एजेंसी तय होगी। अधिकारियों के मुताबिक, एजेंसी को तीन महीने के भीतर दो लाख कापियां देना होगी।विश्वविद्यालय में नवंबर से कापियों की कमी बनी है। स्टॉक में रखी उत्तर पुस्तिकाओं से इन दिनों काम चल रहा है। गनीमत रही कि लोकसभा चुनाव की वजह से विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा करवा रहा है। ऐसा नहीं होता तो विश्वविद्यालय में कापियों का संकट खड़ा हो जाता है और परीक्षाएं आगे बढ़ना पड़ती। मगर चुनाव खत्म होने के बाद बाकी पाठ्यक्रम की परीक्षाएं करवाई जाएगी।इस बीच विश्वविद्यालय ने फरवरी में टेंडर निकाला था, लेकिन दस दिन बाद निविदा से जुड़ी शर्तों में संशोधन करना पड़ा। बाद में फिर प्रक्रिया शुरू की गई। इन दिनों एजेंसियों को तकनीकी पहलुओं पर परखा गया। प्रभारी रजिस्ट्रार अजय वर्मा का कहना है कि कापियों की खरीदी को लेकर प्रक्रिया अप्रैल दूसरे सप्ताह तक खत्म की जाएगी।

कॉपी खरीदने में विश्वविद्यालय ने पिछले साल एजेंसी को अपने कागज की गुणवत्ता साबित करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए कागज से संबंधित लैब की जांच रिपोर्ट खुद करवा देना थी। वह रिपोर्ट भी विश्वविद्यालय में जमा हुई। फिर एजेंसी को तय किया गया। यह शर्तें पिछली बार भी रखी थी। उसे लेकर प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए थे। विवाद खड़ा न हो इसके लिए शर्तों में फेलबदल किया है। वैसे पिछली बार इसी शर्त पर एक एजेंसी को फायदा पहुंचा था, जिसमें एक अधिकारी की भूमिका अहम रही थी।

हिंदी पेपर में प्रश्न पूछा, रस के प्रकार बताओ?

● **छात्र का उत्तर- गन्ने का रस, आम का रस और बनारस**

इंदौर। मध्य प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाएं जांची जा रही हैं। इस दौरान जांचकर्ताओं को ऊल-जलूल और अजीब-गरीब उत्तर देखने को मिल रहे हैं। इसके अलावा किसी जांच केंद्र पर कॉपियों के बीच 100-200 रुपए के नोट निकल रहे हैं तो कहीं पर्चियां। कुल मिलाकर किसी छात्र ने कुछ भी लिखकर यानी सिर्फ कॉपी भरकर पास होने की उम्मीद लगाई और किसी ने भगवान की कसम देकर पास कर देने की गुहार लगाई है। इंदौर शहर के मालव कन्या विद्यालय में प्रदेश के दूसरे जिलों की 2.50 लाख कॉपियां जांची जा रही हैं। स्कूल में करीब 500 मूल्यांकनकर्ता 10वीं और 12वीं की उत्तर पुस्तिकाएं जांचने में जुटे हुए हैं। दिनभर में तमाम पुस्तिकाएं ऐसे निकल आती हैं जिन्हें पढ़कर हंसी छूट जाती है।

जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा 9वीं में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय शासकीय बाल विनय मंदिर पार्क रोड़ इंदौर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस स्कूल में प्रवेश राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से मिलेगा। प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि 14 अप्रैल 2024 है। इस परीक्षा हेतु समस्त जिला एवं विकासखंड स्तर पर परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 मार्च 2024 है। परीक्षा हेतु आवेदन एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से किया जा सकता है। परीक्षा हेतु आवेदन शुल्क 200 रूपये निर्धारित है। परीक्षा उपरांत विद्यालय में प्रवेश मेरिट सूची में चयनित होने पर ही दिया जायेगा। विद्यालय में हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम से अध्यापन की सुविधा, विभिन्न विषयों के लिए पृथक-पृथक प्रयोगशालाएं, ढ्ढष्टञ्ज लैब एवं रोबोटिक्स लैब, व्यावसायिक शिक्षा, खेल, एनसीसी, स्काउट/गाइड एवं संगीत की पाठ्येत्तर सुविधा, निःशुल्क बालक एवं बालिका छात्रावास की सुविधा है। जहां एक ओर विद्यालय के विद्यार्थियों का ह्लश्वश्वञ्ज एवं छ्वश्वश्व जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में चयनित होकर भारत के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया है वहीं राष्ट्रीय स्तर पर खेल, साहित्यिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

केसरबाग रोड स्थित चमेली देवी स्कूल को दिया नोटिस, आरटीई के तहत बच्चों को एडमिशन नहीं देने का मामला

पालक स्कूल पहुंचे और प्रवेश नहीं देने पर प्रदर्शन किया

इंदौर। निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत पहले चरण की लाटरी खुल चुकी है। जिले के एक हजार से अधिक स्कूलों में 4788 सीटों पर प्रवेश होना है। अधिकांश स्कूलों में प्रवेश दिया जा रहा है, लेकिन कुछ स्कूल मनमानी करते हुए पालकों को प्रवेश देने से मना कर रहे है। सोमवार को चमेली देवी स्कूल पहुंचे पालकों को स्कूल प्रबंधन ने लौटा दिया। इसके बाद मंगलवार को पालकों के साथ ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर (बीआरसी) खुद स्कूल पहुंचे, इसके बाद भी स्कूल प्रबंधन ने प्रवेश देने से मना कर दिया। अब बीआरसी ने स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। इसमें किसी भी हाल में 22 मार्च तक आरटीई के तहत प्रवेश देने के लिए कहा है।

बीआरसी को भी स्कूल प्रबंधन ने लौटा दिया

मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में पालक आरटीई के तहत प्रवेश लेने के लिए चमेली देवी स्कूल केसरबाग पहुंचे। यहां स्कूल प्रबंधन ने प्रवेश देने से मना कर दिया है। परिसर के बाहर पालक प्रदर्शन करते रहे। कुछ देर में मौके पर पहुंचे शहरी-वन के बीआरसी नीरज गर्ग ने जब स्कूल प्रबंधन से चर्चा की तो प्रबंधन ने बताया कि स्कूल में एक ही सेक्शन में नर्सरी कक्षाएं संचालित होती है। इस सेक्टर में करीब 30 बच्चों को लिया जाता है। बावजूद शिक्षा विभाग ने स्कूल के लिए 40 सीटें आरक्षित कर दी है। ऐसे में प्रवेश कैसे दिया जाएगा।

प्रवेश नहीं दिया तो कार्रवाई करेंगे

बीआरसी गर्ग ने बताया कि स्कूल प्रबंधन को प्रवेश देने के लिए कहा गया है, बावजूद वे तैयार नहीं है। इसलिए नोटिस जारी किया है। इसमें 22 मार्च तक किसी भी हाल में प्रवेश देने के लिए कहा है। नोटिस के माध्यम से हमने यह भी कहा है कि अगर 22 मार्च तक प्रवेश नहीं हुआ तो स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एशिया में स्मॉलकैप के लिए बेहतर संभावनाएं, जेफरीज ने 15 शेयरों को मल्टीबैगर्स स्टोक्स की लिस्ट में रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप के लिए बेहतर वृद्धि की संभावनाओं ने जेफरीज को एशियाई क्षेत्र में इस बाजार सेगमेंट पर उत्साहित बना दिया है। भारत के लिहाज से जेफरीज ने 15 शेयरों को संभावित मल्टीबैगर्स के रूप में पेश किया है। इस सूची में सिगनिटी टेक्नोलॉजीज, मैन इन्फ्रा कंस्ट्रक्शंस, कम्प्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज (कैम्स), ऐंजल ब्रोकिंग, कैंटाबिल रिटेल, जेबी केमिकल्स ऐंड फार्मा, एक्शन कंस्ट्रक्शन, सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेज , त्रिवेणी टर्बाइन, बीएलएस इंटरनैशनल, नारायण हृदयालय, आयन एक्सचेंज इंडिया, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ऐंड जेनसार मुख्य रूप से शामिल हैं।

जेफरीज के महेश केडिया, देश पेरामुनेतिलके और निकोलस एनजी ने एक ताजा रिपोर्ट में लिखा है, '2024 एफ के लिए वृद्धि और 12 महीने आगामी ईपीएस रुझानों की तुलना से स्मॉलकैप के लिए आय को मदद मिलने का पता चलता है। जहां स्मॉलकैप और लार्जकैप दोनों को ही कुछ समय से डाउनग्रेड का सामना करना पड़ा है, वहीं आगामी ईपीएस रुझान से 2023 की चौथी तिमाही के बाद से स्मॉलकैप के लिए बड़े सुधार का पता चला है। इसके अलावा, 2024 एफ की आय वृद्धि चीन, हांगकांग, भारत और आस्ट्रेलिया में लार्जकैप के मुकाबले स्मॉलकैप के लिए काफी अधिक है।' जेफरीज का कहना है कि एशिया में स्मॉलकैप ने 2001 से बेहतर प्रदर्शन किया है और लार्जकैप के मुकाबले 216 प्रतिशत का शानदार प्रतिफल दिया। कोविड रिकवरी स्मॉलकैप के लिए एक प्रमुख उत्प्रेरक साबित हुई जिससे 2021 के बाद से लार्जकैप की तुलना में इसमें 27 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन को बढ़ावा मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी बाजार सेगमेंटों में स्मॉलकैप मल्टीबैगर बनने की ज्यादा क्षमता रखते हैं। वर्ष 2000 से जापान को छोड़कर एशिया प्रशांत देशों के शेयर बाजारों ने शानदार प्रदर्शन दर्ज किया और मल्टीबैगर का प्रतिफल वैश्विक औसत 9 प्रतिशत के मुकाबले 11 प्रतिशत रहा। यूरोप के लिए यह आंकड़ा 9.8 प्रतिशत, अमेरिका के लिए 8.3 और जापान के लिए 7.6 प्रतिशत रहा।

जेफरीज का कहना है कि कई भारतीय क्षेत्रों ने संचार सेवाओं और संपत्ति को छोड़कर मल्टीबैगर के मजबूत स्रोत के तौर पर काम किया है। इसके विपरीत हांगकांग और ताइवान में कई क्षेत्रों को मल्टीबैगर पैदा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। चीन के ए श्रेणी के शेयरों में उनके विदेशी प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले मल्टीबैगर बनने की ज्यादा संभावना रहती है जबकि कई आस्ट्रेलियाई क्षेत्रों ने भी मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

IIM Indore, University of Liverpool jointly launches Global Sports Business Management Programme

Indore. Indian Institute of Management (IIM) Indore has launched a Global Sports Business Management Programme in collaboration with the University of Liverpool. The institution has signed a Memorandum of Understanding (MoU). The agreement for this collaboration was signed by IIM IndoreÓs Director, Professor Himanshu Rai, and Professor Julia Balogun, Dean of the University of Liverpool Management School. Designed to provide participants with a comprehensive understanding of various aspects of sports business, including sports marketing, sponsorship, event management, and leadership, the course has been developed by e&perts from IIM Indore and the University of Liverpool. It includes interactive teaching, case studies, real-world e&amples, and practical e&ercises to ensure a holistic learning e&perience, according to the official statement released by the institute. ~-Month programme spreading over five stages Spanning

over }-~ months, the programme is structured into five stages. The first stage kicks off with a five-day on-campus session at IIM Indore, fostering interactive discussions and immersive learning. Following this, participants will engage in online live classes during the second and fourth stages, delivered jointly by IIM Indore and the University of Liverpool, offering fle&ibility and convenience. The third stage offers a unique opportunity for participants to immerse themselves in the global sports business landscape with a five-day session at the University of Liverpool, providing invaluable insights from industry e&perts. The programme will conclude with a three-day on-campus session at IIM Indore, consolidating learning and preparing participants for their future endeavors in sports business management. Professor Rai emphasized the importance of sports business management in today's dynamic landscape, stating, "Sports have emerged as a significant sector driving economic growth worldwide. With initiatives like the Fit India Movement, people of all ages are including sports in their fitness regime. We have launched this programme with the aim to equip aspiring sports business professionals with the knowledge and skills needed to e&cel in this rapidly evolving industry. This collaboration with the University of Liverpool marks a significant milestone in our efforts to provide cutting-edge education in sports business management, beyond boundaries."This programme stands out for its holistic approach to sports business management, covering a diverse range of topics essential for success in the field. Participants will delve into global debates and contemporary issues, evaluate stakeholders and governance structures, and critically assess sports brands and market dynamics, he said. "We are delighted to offer this transformative programme that will empower participants to capitalize on the vast opportunities in the sports business industry," said Prof. Rai. "Sports unite everyone irrespective of their nation, and thus, through our collaboration, we aim to nurture a new generation of sports business leaders who will drive innovation and growth in the global sports market." Professor Julia Balogun also e&pressed her delight on the occasion. "I am delighted to see the launch of the Global Sports Business Management E&ecutive Education programme, which will be run as a joint programme between IIM Indore and the University of Liverpool Management School", she said. We look forward to establishing more collaborative ventures between our institutions. The programme builds on the e&pertise of faculty within both IIM Indore and the University of Liverpool Management SchoolÓs Centre for Sports Business. "It will be of great benefit to those in, or aspiring to, careers in sports business", she added.

जेसीबी का रंग पीला क्यों होता है

आपने आए दिन कंस्ट्रक्शन साइट्स के आस पास खुदाई या तोड़फोड़ करने के लिए एक पीले रंग की मशीन को काम करते हुए देखा होगा। इस मशीन का इस्तेमाल अब काफी ज्यादा किया जाता है। इस मशीन को हम जेसीबी कहते हैं। यह आम तौर पर पीले रंग का ही होता है। पर इसके पीछे क्या कारण है? आखिर क्यों यह सिर्फ पीले रंग का ही होता है? अगर नहीं जानते हैं तो आज हम आपको इस दिलचस्प सवाल के जवाब। तो चलिए इसकी खास वजह के बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्यों जेसीबी का रंग होता है पीला

जेसीबी को शुरुआत 1953 में हुई थी। शुरुआत में इसे लाल और नीले रंग का बनाया गया था। हालांकि साल 1964 में इसे अपग्रेड कर इसे पीला रंग दिया गया। पीला रंग आंखों पर जल्दी चढ़ता है। ऐसे में कंस्ट्रक्शन साइट पर जब जेसीबी का इस्तेमाल किया जाता था तो यह दूर से नजर आ जाती थी। इसे देखते हुए ही कंपनी ने डिसाइड किया कि इसका रंग पीला ही रखना चाहिए। आज भी जेसीबी जहां कहीं भी इस्तेमाल किया जाता है वहां यह अपने रंग के कारण दूर से नजर आ जाती है।

जेसीबी का पूरा नाम क्या है

जेसीबी एक मशीन नहीं बल्कि कंपनी का नाम है। इस कंपनी के मालिक और फाउंडर ब्रिटेन के बड़े व्यापारी जोसेफ सिरिल बैमफॉर्ड थे। जोसेफ ने 80 साल पहले इस कंपनी को बनाया था। जिसे जेसीबी के नाम से आज पूरी दुनिया में जाना जाता है। यह कंपनी कंस्ट्रक्शन साइट पर इस्तेमाल होने वाली मशीनों का निर्माण करती है। खुदाई करने वाली जिस मशीन का आम तौर पर इस्तेमाल होता है उसे बैकहो लोडर कहा जाता है।

कैसे काम करता है जेसीबी

जेसीबी बैकहो लोडर मशीन दोनों तरफ से काम करती है। इसे चलाने के लिए स्टीयरिंग की जगह लीवर हैंडल्स दिए जाते हैं। जेसीबी मशीन चलाने वाला ड्राइवर इन्हीं लीवर्ड का उपयोग कर इसे आगे पीछे और खुदाई करने का काम करते हैं। जेसीबी के पीले रंग की लोकप्रियता को देखते हुए दूसरी कंपनियां भी पीले रंग की मशीन ही बनाती हैं।

भारत के 5 अनजाने रहस्य, जिनका आज तक नहीं खुला राज

भारत को ऋषि-मुनियों और अवतारों की भूमि कहा जाता है। इसके साथ ही देश में कई रहस्यमयी जगहें हैं जिससे आज तक कोई भी पर्दा नहीं उठा पाया है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में जो दुनिया के लोगों को अपने रहस्यों से चकित कर चुके हैं।

वृंदावन का मंदिर

उत्तर प्रदेश के मथुरा ज़िले में स्थित वृन्दावन एक महत्वपूर्ण धार्मिक व ऐतिहासिक स्थल है। वृन्दावन भगवान श्रीकृष्ण की लीला से जुड़ा है। वृंदावन में एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता है और बंद होता है। इस मंदिर को रंगमहल के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि निधिवन परिसर में स्थित रंगमहल में भगवान श्रीकृष्ण रात्रि में शयन करते हैं। मंदिर में हर रोज प्रसाद के तौर पर माखन-मिश्री रखी जाती है। इसके अलावा भगवान कृष्ण के सोने के लिए पलंग भी रखी जाती है। सुबह जब मंदिर खोला जाता है, तो ऐसा लगता है कि इस बिस्तर पर कोई सोया था और प्रसाद भी ग्रहण किया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अंधेरा होते ही इस मंदिर के दरवाजे अपने आप ही बंद हो जाते हैं।

अलेया भूत लाइट

पश्चिम बंगाल का दलदली इलाका भी रहस्यों को अपने आप में समेटे हुए है। कहा जाता है कि यहां पर कई बार रहस्यमयी रोशनी देखने को मिलती हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि यह रोशनी मछुआरों की आत्माएं हैं जिन्होंने मछली पकड़ते समय किसी वजह से अपनी जान गंवा दी थी। यह भी कहा जाता है कि जो मछुआरा इस रोशनी को देखता है, या तो वह रास्ता भटक जाता है या उसकी जल्द ही मौत हो जाती है। दलदली क्षेत्रों से कई बार मछुआरों के शव बरामद किए गए हैं। लेकिन स्थानीय प्रशासन यह नहीं मानता है कि ऐसा भूतों की वजह से हुआ है। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि दलदली क्षेत्रों में अक्सर मीथेन गैस बनती है। उससे किसी तत्व के संपर्क में आने के रोशनी पैदा होती है।

रूपकुंड झील

भारत में ऐसी कई झीलें है जो रहस्यमयी हैं। हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। आज भी झील में मानवों के कंकाल और हड्डियां पड़ी हुई हैं। यह झील समुद्रतल से करीब 5,029 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह झील हिमालय की तीन चोटियों के बीच स्थित है जिसे त्रिशूल जैसा दिखने की वजह से त्रिशूल का नाम दिया गया है। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित त्रिशूल भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में शामिल है। रूपकुंड झील को कंकालों की झील भी कहा जाता है। मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इस रहस्य को जानने के लिए अध्ययन में लगे हुए हैं।

जतिंगा गांव

असम के दिमा हासो जिले की पहाड़ी में स्थित जतिंगा घाटी पक्षियों का सुसाइड प्वाइंट के तौर पर काफी मशहूर है। जतिंगा गांव में मानसून बीत जाने के बाद एक ऐसा आवरण बनता है की स्थिति धुंध पड़ने के समान हो जाती है और इसी समय गांव में एक अजीब घटना होती है। दरअसल, यहां के स्थानीय और प्रवासी पक्षियों में एक अजीब व्यवहार परिवर्तन देखने को मिलता है। हर साल सितंबर महीने में जतिंगा गांव पक्षियों की आत्महत्या के कारण सुर्खियों में आ जाता है। इस जगह पर ना केवल स्थानीय पक्षी बल्कि प्रवासी पक्षी भी पहुंच कर सुसाइड कर लेते हैं। इस वजह से जतिंगा गांव काफी रहस्यमय माना जाता है। आत्महत्या करने की प्रवृत्ति, तो इंसानों में आम है, लेकिन पक्षियों के मामले में ये बात एकदम अलग हो जाती है। जतिंगा गांव में पक्षी तेजी से उड़ते हुए किसी इमारत या पेड़ से टकरा जाते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है। ऐसा इक्का-दुक्का नहीं, बल्कि हजारों पक्षियों के साथ होता है। सबसे अजीब बात, तो ये है कि ये पक्षी शाम 7 से रात 10 बजे के बीच ही ऐसा करते हैं, जबकि आम मौसम में इन पक्षियों की प्रवृति दिन में ही बाहर निकलने की होती है और रात में वे घोंसले में लौट जाते हैं। यह आज भी रहस्य है।

लटकते खम्भे का रहस्य

आंध्र प्रदेश का वीरभद्र मंदिर विजयनगर साम्राज्य के वास्तुशिल्प शैली का एक शानदार नमुना है और इसमें स्थित विशाल नंदी मूर्ति, फ्रेस्को पेंटिंग्स और नक्काशी जैसे आकर्षक फीचर्स के अलावा, इसके लटकते खंभे जिज्ञासा उत्पन्न करते हैं। कुल मिलाकर, मंदिर में 70 खंभे हैं। हालांकि, दूसरों के विपरीत, उनमें से एक जमीन के संपर्क में नहीं आता है। ऐसा माना जाता है कि खंभे के आशीर्वाद के लिए नीचे कुछ स्लाइड करके आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है।

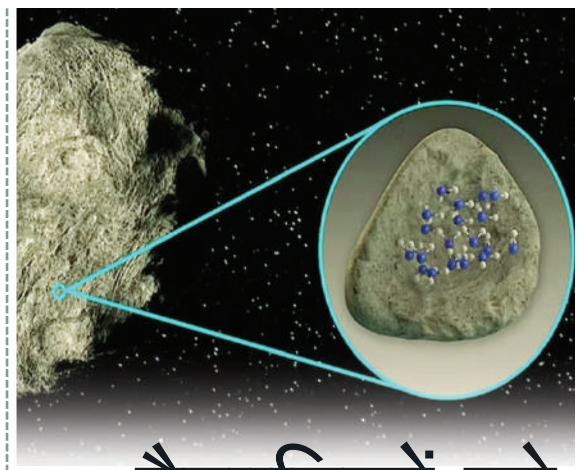

वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में घूमते एस्टेरॉयड पर मिला पानी

ब्रह्मांड रहस्यों से भरा हुआ है। इनके बारे में वैज्ञानिकों को भी बहुत कम जानकारी है। रहस्यों को जानने के लिए वैज्ञानिकों सालों से अध्ययन कर रहे हैं। इस शोध के दौरान वैज्ञानिक आए दिन हैरतअंगेज खुलासा करते हैं। अब वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खोज की है। इन खोज से वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड के रहस्य को जानने में मदद मिलेगी। पहली बार वैज्ञानिकों ने किसी एस्टेरॉयड या क्षुद्रग्रह पर पानी खोजा है। नासा के स्ट्रैटोस्फेयरिक ऑब्जरवेटरी फॉर इंफ्रारेड एस्ट्रोनॉमी ने यह बड़ी खोज की है। दरअसल, यह एक प्रयोगशाला है, जो उड़ने वाली है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने नासा ने इस प्रयोगशाला को एयरक्राफ्ट में बनवाया था। आइरिस और मस्सालिया नाम के एस्टेरॉयड पर पानी मिला है। दोनों एस्टेरॉयड पर सिलिकेट भरा हुआ है। नासा ने विमान के डेटा को जमा करके इस खोज किया है। अब नासा का यह विमान रिटायर हो चुका है। इस विमान में एक टेलिस्कोप लगाया है, जिसने चार एस्टेरॉयड पर नजर रखी थी। चारों एस्टेरॉयड पर सिलिकेट भरा हुआ है, लेकिन पानी सिर्फ दो पर है। नासा और जर्मन एयरोस्पेस सेंटर मिलकर इस विमान का संचालन करते थे। स्ट्रैटोस्फेयरिक ऑब्जरवेटरी फॉर इंफ्रारेड एस्ट्रोनॉमी में एक फेंट ऑब्जेक्ट इंफारेड कैमरा लगाया गया है। इस कैमरे से आइरिस और मस्सालिया एस्टेरॉयड्स पर पानी को खोजा गया है। अतरिक्ष में ग्रहों, उल्कापिंडों और क्षुद्रग्रहों की सतह पर पानी की खोज करने का तरीका बेहद खास है। इनकी सतह पर रोशनी के अलग-अलग वेवलेंथ के माध्यम से पानी की खोज की जाती है। सैन एंटोनियो में स्थित साउथवेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के साइंटिस्ट एनिसिया अरेडोंडो ने बताया कि ग्रहों के निर्माण के समय एस्टेरॉयड बनते हैं। उन्होंने बताया कि इन एस्टेरॉयड में कई ग्रहों का मिश्रण भी हो सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि एक ही ग्रह की मिट्टी से इनका निर्माण हुआ हो। जब इनकी सतह पर रोशनी की अलग-अलग वेवलेंथ को डाला जाता है, तो अलग-अलग पदार्थों के बारे में जानकारी मिलती है। एनिसिया ने जानकारी दी कि धरती पर मंगाए गए पहले एस्टेरॉयड सैंपल में पानी के बारे में पता चला है। हालांकि अंतिरक्ष में घूम रहे किसी एस्टेरॉयड पर पहली बार पानी की खोज की गई है। इस प्रयोगशाल ने ही चांद की सतह पर दक्षिणी हिस्से में स्थित क्रेटर्स में भी पानी को खोजा था। बता दें कि आइरिस एस्टेरॉयड 199 किलोमीटर और मस्सालिया एस्टेरॉयड 135 किलोमीटर चौड़े हैं।

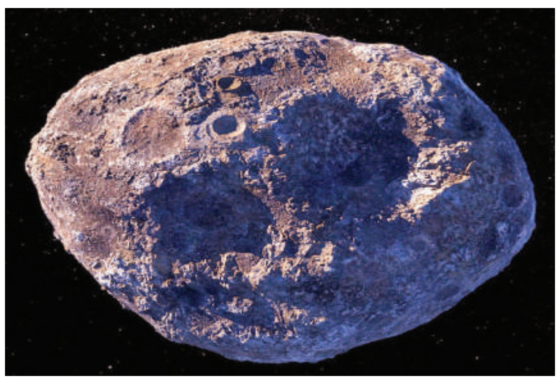

फ्लाइट में ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत क्यों पड़ती है

फ्लाइट से ट्रैवल करना किसे पसंद नहीं होगा। क्या आप जानते हैं कि फ्लाइट में ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत किस वजह से होती है। फ्लाइट में ऑक्सीजन की सुविधा किस हालत में दी जाती है। अगर आपको फ्लाइट से ट्रैवल करते वक्त सांस लेने में दिक्कत होती है, तो आपको इस हालत में क्या करना चाहिए, आइए जानते हैं फ्लाइट से ट्रैवल करने के दौरान ऑक्सीजन की जरूरत क्यों पड़ती है और इसकी सुविधा किन हालातों में मिल सकती है।

कम वायुमंडलीय दबाव

फ्लाइट में ऑक्सीजन की जरूरत इसलिए पड़ती है, क्योंकि ज्यादा ऊंचाई पर हवा में ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है। जैसे-जैसे फ्लाइट ऊंचाई पर जाता है, वायुमंडलीय दबाव कम होता जाता है। कम दबाव के कारण, हवा में ऑक्सीजन का स्तर भी कम होता जाता है। यह यात्रियों को सांस लेने में मुश्किल पैदा कर सकता है, खासकर उन लोगों को जिन्हें सांस लेने में पहले से ही परेशानी होती है। फ्लाइट में एक सिस्टम होता है, जो बाहर की ऑक्सीजन को कैप्चर करके एक टैंक में भरता है।

इमरजेंसी की स्थिति में

अगर फ्लाइट के केबिन में दबाव कम होने जैसी स्थिति आती है, तो यात्री सांस लेने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे फ्लाइट जो 25,000 फुट से ऊपर उड़ान भरने के लिए सर्टिफाइड हैं उनमें आपातकालीन ऑक्सीजन इक्विपमेंट होना जरूरी है। कुछ फ्लाइट में दबाव वाले ऑक्सीजन के सिलेंडर होते हैं, लेकिन ज्यादातर में केमिकल रिएक्शन से ऑक्सीजन तैयार होता है। जब फ्लाइट ज्यादा ऊंचाई से नीचे आता है, तो ऑक्सीजन का दबाव कम हो जाता है। ऐसे में ओवरहेड मास्क, यात्रियों को बेहोश होने से बचाते हैं। ऑक्सीजन का स्तर कम होने से यात्री हाइपोक्सिया की स्थिति में जा सकते हैं। हाइपोक्सिया की स्थिति में ऑक्सीजन की कमी सबसे पहले सिर को प्रभावित करती है। इससे फैसला लेने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे आपको पता नहीं चलता कि आप मुसीबत में हैं।

फ्लाइट में ऑक्सीजन सिलेंडर कैसे काम करते हैं

ऑक्सीजन सिलेंडर में हाई प्रेशर में ऑक्सीजन गैस होती है। जब यात्री को ऑक्सीजन की जरूरत होती है, तो गैस को एक रेगुलेटर के माध्यम से कंट्रोल किया जाता है और मास्क के जरिए यात्री को ऑक्सीजन दिया जाता है। यात्रियों को फ्लाइट में अपने ऑक्सीजन टैंक या लिक्विड ऑक्सीजन ले जाने की जरूरत नहीं है। हर फ्लाइट में यह सुविधा मौजूद होती है। ऑक्सीजन लेने के लिए यात्री 15 से 20 मिनट तक लगाए रहते हैं। जिससे ऑक्सीजन का लेवल भी नॉर्मल बना रहता है।

इलाज की जरूरत पड़ने पर

कुछ यात्रियों को थेरप्यूटिक की वजहों से उड़ान के दौरान अलग से ऑक्सीजन की जरूरत हो सकती है। ऑक्सीजन सिलेंडर इन यात्रियों को उनकी जरूरत के हिसाब से ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा कर सकते हैं। ऑक्सीजन सिलेंडर फ्लाइट के केबिन में अलग- अलग जगहों पर लगे होते हैं। फ्लाइट अटेंडेंट इमरजेंसी सिचुएशन में ऑक्सीजन सिलेंडर का इस्तेमाल करने के लिए ट्रेंड होते हैं। अगर आपको उड़ान भरने के दौरान ऑक्सीजन की जरूरत है, तो आपको अपनी एयरलाइन को पहले से बता देना चाहिए। फ्लाइट में पोर्टेबल ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की जरूरत को वेरीफाई करने के लिए एयरलाइन को डॉक्टर का रिपोर्ट दिखाना पड़ सकता है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 20 मार्च, 2024

IPL 2024

हसरंगा ने आईपीएल फ्रेंचाइजी को दिया धोखा!

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट से बड़ी खबर आ रही है। स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा ने संन्यास से वापस लौटने का फैसला किया है। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल कर लिया गया है।

पिछले साल हसरंगा ने टेस्ट से संन्यास ले लिया था ताकि वह वनडे और टी20 मैचों पर ध्यान लगा सकें। बांग्लादेश 22 मार्च से 3 अप्रैल तक श्रीलंका को दो टेस्ट मैचों में मेजबानी करेगा और हसरंगा धनंजया डी सिल्वा की कप्तानी वाली 17 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। इसकी वजह से हसरंगा आईपीएल 2024 के शुरुआती मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नहीं खेल पाएंगे।

हसरंगा ने पिछले साल लिया था संन्यास

26 साल के हसरंगा ने पिछले साल 15 अगस्त को ज्यादा फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। हसरंगा के संन्यास के बाद से श्रीलंका ने सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2022-25 चक्र में अभी तक जीत दर्ज नहीं कर पाया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2024 की नीलामी में हसरंगा को उनके बेस प्राइस 1.5 करोड़ में खरीदा था। हसरंगा टी20 और वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और श्रीलंका के 2023 आईसीसी वनडे विश्व कप के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 टीम की कप्तानी भी सौंपी गई थी।

तीन मैच मिस कर जाएंगे हसरंगा

सनराइजर्स हैदराबाद को अपना आईपीएल 2024 अभियान 23 मार्च को ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुरू करना है और टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में उन्हें चार मैच खेलने हैं। हसरंगा पहले तीन मैचों में नहीं खेल पाएंगे और उनकी वापसी 5 अप्रैल को हैदराबाद में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बड़े मैच में हो सकती है।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कुसल मेंडिस (उपकप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, निशान मदुश्का, एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल, सदीरा समरविक्रमा, कामिन्दु मेंडिस, लाहिरू उदारा, वानिंदु हसरंगा, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, निशान पेइरिस, कसुन राजिथा, विश्वा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, चमिका गुणसेकरा।

Football

अमेरिका में दोस्ताना मुकाबलों से पहले अर्जेंटीना को लगा बड़ा झटका

मेसी चोटिल होकर हुए बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। आठ बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी शुक्रवार को अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे। लियोनेल मेसी आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में अल सल्वाडोर और कोस्टा रिका के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैचों से बाहर हो गए हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने मेसी की हैमस्ट्रिंग चोट के संबंध में एक बयान जारी किया है जिसने उन्हें आगामी दो प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया है। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी शुक्रवार को अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे। उनके क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना दोनों उनके साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों मैच जून-जुलाई में कोपा अमेरिका के लिए अर्जेंटीना की तैयारियों को लेकर वार्मअप मैच हैं। कोपा अमेरिका भी इस साल अमेरिका में ही खेला जाएगा।

IPL 2024 से पहले

BCCI ने जुरेल और सरफराज को दी खुशखबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग यानी IPL के 2024 के सीजन से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी BCCI ने विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और मध्य क्रम के बल्लेबाज सरफराज खान को एक बड़ी खुशखबरी दी है। इन दोनों खिलाड़ियों को एक स्पेशल लिस्ट में शामिल किया गया है।

धर्मशाला में लगातार तीसरा टेस्ट मैच खेलने के बाद ध्रुव जुरेल और सरफराज खान को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में शामिल किया है, जो 2023-24 के लिए बनाई गई थी।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के बाद सालाना अनुबंध की सूची जारी की थी तो उसमें ये भी बताया था कि जैसे ही ध्रुव जुरेल और सरफराज खान धर्मशाला में अपने लगातार तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे तो उनको ऑटोमैटिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल कर लिया है। बीसीसीआई ने इन दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड सी में रखा है, जहां सालाना एक करोड़ रुपये खिलाड़ी को सैलरी के रूप में मिलते हैं।

जुरेल और सरफराज खान ने राजकोट टेस्ट मैच में डेब्यू किया था। दोनों खिलाड़ियों ने पहले ही टेस्ट से दमदार प्रदर्शन किया और सभी का दिल जीता। सरफराज खान ने अपने डेब्यू मैच की पहली और दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ा, जबकि ध्रुव जुरेल ने डेब्यू टेस्ट मैच की पहली पारी में ही 46 रन बना दिए।

जुरेल से पहले केएस भरत विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, लेकिन वे अपने करियर में कभी भी अर्धशतक नहीं जड़ पाए थे। वहीं, जुरेल ने दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 90 रनों की पारी खेली और केएस भरत के लिए टेस्ट टीम के दरवाजे बंद कर दिए।

केएल राहुल को IPL 2024 में खेलने के लिए मिली मंजूरी

लेकिन नहीं कर सकेंगे ये काम!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने केएल राहुल को इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। लेकिन नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उन्हें लीग के शुरुआती मैचों में एक काम ना करने के लिए भी कहा है।

केएल राहुल को NCA से मिली मंजूरी

लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल को नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से आईपीएल में खेलने की मंजूरी मिल गई है। लेकिन उन्हें शुरू में ही ज्यादा कार्यभार नहीं लेने की सलाह दी गई है। नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उन्हें लीग के शुरुआती मैचों में विकेटकीपिंग नहीं करने की सलाह दी है। ऐसे में वह इस सीजन के शुरुआती मैचों में एक बल्लेबाज के तौर पर खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी चोट

राहुल इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके तीसरे मैच के लिए टीम से जुड़ने की संभावना थी लेकिन मांसपेशियों में अकड़न के कारण वह बाकी मैचों में भी नहीं खेल पाए। राहुल ने हाल ही में एनसीए में बल्लेबाजी, विकेटकीपिंग से जुड़ी ड्रिल और आउटफील्ड में फिल्डिंग का अभ्यास करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था और अब वह वापसी के लिए भी तैयार हैं।

IPL 2024

आरसीबी प्री-सीजन कैंप में शामिल हुए विराट, झूम उठे फैंस

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल 2024 से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के प्री-सीजन कैंप में शामिल हो गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने स्टार बल्लेबाज का स्वागत करने के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट किया।

आरसीबी ने एक ट्वीट में कहा कि डैडी का घर और वह फिर से शासन करने के लिए तैयार है विराट कोहली ने नम्मा बेंगलुरु में चेक इन किया और हम शांत नहीं रह सकते। हर कोई खुश है। पूर्व कप्तान को प्रशिक्षण लेते हुए भी देखा गया था। आरसीबी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कोहली ने कहा कि वापस आकर वास्तव में अच्छा लग रहा है, सबसे पहले क्रिकेट खेलना और आईपीएल की शुरुआत करना। आईपीएल सीजन की शुरुआत के लिए बैंगलोर वापस आना हमेशा रोमांचक होता है। मैं मीडिया के रडार से दूर नहीं हूं।

मैं सामान्य स्थिति में हूं, आप कह सकते हैं कि दो महीने हो गए हैं। इसलिए मैं वापस आकर काफी खुश और उत्साहित हूं और मुझे उम्मीद है कि सभी प्रशंसक भी उत्साहित और खुश होंगे। कोहली अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ रहने के लिए क्रिकेट से दूर रहे। जब कोहली और अनुष्का ने अपने जीवन में अपने बेटे अकाय का स्वागत किया तो क्रिकेट जगत खुशी से झूम उठा।

PCB चेयरमैन ने दिया ये बयान

पाकिस्तान से शिफ्ट की जाएगी ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025?

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी का कहना है कि वह अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी को अपने देश से बाहर शिफ्ट करने के बारे में सोच भी नहीं रहे। इस टूर्नामेंट के आयोजन में भारत की भागीदारी एक ऐसा विषय है, जिस पर कभी भी अटकलें खत्म नहीं होंगी। अगर बीसीसीआई भारत की टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार करती है तो फिर पाकिस्तान को मजबूरी में चैंपियंस ट्रॉफी को अपने देश से बाहर आयोजित करना पड़ सकता है या फिर एशिया कप 2023 की तरह हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित करना पड़ सकता है।

सोमवार को पाकिस्तान सुपर लीग के फाइनल के दौरान मीडिया कॉन्फ्रेंस में मोहसिन नकवी ने इस बात की पुष्टि की कि पिछले सप्ताह दुबई में आईसीसी की मीटिंग के इतर उन्होंने बीसीसीआई सचिव जय शाह से बात की। उन्होंने कहा, हां, हमने कुछ देर तक बात की और यह सौहार्दपूर्ण थी, लेकिन क्या चर्चा हुई इसका ब्योरा देना मूर्खतापूर्ण होगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान की यात्रा करने में भारत की अनिच्छा के कारण टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया जाएगा? इस पर नकवी ने कहा, मैं इस बारे में सोच भी नहीं रहा हूं। हमें विश्वास है कि हम पाकिस्तान में निर्धारित समय पर चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेंगे। उनका ये कमेंट आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य द्वारा हाल ही में बताए जाने के बाद आया है कि वह भारत से पाकिस्तान की यात्रा पर जाने के लिए नहीं कहेगा, क्योंकि ये फैसला दोनों देशों की सरकारों को करना है।

नकवी ने कहा कि कार्यक्रम नजदीक आने पर पीसीबी भी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि कराची, लाहौर और रावलपिंडी में तीन स्टेडियम, जो सबसे अधिक चैंपियंस ट्रॉफी मैचों की मेजबानी करेंगे, उनका नवीनीकरण किया जाएगा।

नवंबर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों (जिसमें 150 से अधिक लोग मारे गए थे) के बाद से भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट में भाग नहीं लिया है।

2012 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। इसके बाद से दोनों टीमें सिर्फ एसीसी या आईसीसी इवेंट में आमने-सामने होती हैं। यहां तक कि पिछले साल का एशिया कप पाकिस्तान में आयोजित होना था, लेकिन इसे हाइब्रिड तरीके से आयोजित करना पड़ा था, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में कुछ मैच पाकिस्तान में खेले गए थे और बाकी के मैच श्रीलंका में आयोजित हुए थे।

मुकेश ने शक्तिमान के रूप में रणवीर को नापसंद किया

मुकेश खन्ना को भारत के पहले सुपरहीरो शक्तिमान की ऑन-स्क्रीन भूमिका के लिए जाना जाता है। लोगों के सुपरहीरो पर एक बड़े-से-बड़े मोशन पिक्चर की घोषणा के बाद, प्रशंसक इस बात को लेकर उत्साहित थे कि नायक की भूमिका कौन निभाएगा। दिग्गज अभिनेता ने अब एक यूट्यूब वीडियो और एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है, जहां उन्होंने रणवीर सिंह को शक्तिमान के रूप में कास्ट किए जाने की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी और रणवीर सिंह की एक कोलाज तस्वीर साझा की। अभिनेता ने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, पूरा सोशल मीडिया महीनों से अफवाह है कि भरा पड़ा था कि रणवीर करेगा शक्तिमान। और हर कोई नाराज़ था इसे लेकर। मैं चुप रहा। लेकिन जब चैनलों ने भी एलान करना शुरू कर दिया कि रणवीर साइन हो गया है तो मुझे मुंह खोलना पड़ा और मैंने बोल दिया कि ऐसी इमेज वाला व्यक्ति कितना भी बड़ा स्टार क्यों ना हो शक्तिमान नहीं बन सकता।

मैंने अपना पैर नीचे रख दिया है। अब आगे आगे देखिये होता है क्या? (सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें हैं कि रणवीर सिंह शक्तिमान का किरदार निभाएंगे और हर कोई इस बात से नाराज था। मैं चुप रहा। लेकिन जब चैनलों ने घोषणा करना शुरू कर दिया कि रणवीर को साइन कर लिया गया है, तो मुझे बोलना पड़ा। और मैंने कहा है कि नहीं चाहे वह कितना भी बड़ा स्टार क्यों न हो, ऐसी छवि वाला व्यक्ति कभी शक्तिमान नहीं बन सकता। मैंने अपना कदम नीचे रख दिया है। अब देखते हैं आगे क्या होता है)। मुकेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें उन्होंने पेपर मैगजीन के लिए रणवीर के न्यूड फोटोशूट की आलोचना की। अभिनेता की आलोचना करते हुए मुकेश ने कहा कि ऐसी हरकतें भारतीय संस्कृति के खिलाफ हैं। उन्होंने रणवीर पर निशाना साधते हुए कहा, अगर वह नग्नता में सहज महसूस करते हैं तो उन्हें ऐसे देशों में जाना चाहिए जहां वह हर तीसरे सीन में न्यूड सीन दे सकें।

मिले जब हम तुम की रति पांडे टीवी से होने के नाते झेल चुकी हैं भेदभाव

टीवी एक्ट्रेस रति पांडे, जो अब खेसारी लाल यादव के साथ 22 मार्च को भोजपुरी फिल्म रंग दं बसंती में नजर आने वाली हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी टीवी की दुनिया से जुड़ी कुछ बातें की हैं। उन्होंने बताया कैसे अपनी पसंद के कारण, अच्छे मौके हाथ से चले गए। मिले जब हम तुम की नुपुर शर्मा और हिटलर दीदी के नाम से मशहूर एक्ट्रेस रति पांडे 22 मार्च को अपनी भोजपुरी फिल्म रंग दे बसंती में नजर आने वाली हैं। उसी के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने अपने साथ होने वाले भेदभाव का भी जिक्र किया। साथ ही इन्होंने कई प्रोजेक्ट्स को हाथ से जाने के बारे में भी बताया।

रति पांडे ने एक इंटरव्यू में प्रोजेक्ट्स को खोने का अफसोस जताया। कहा, मेरा मानना है कि मिले जब हम तुम और हिटलर दीदी मेरी लाइफ का सबसे अच्छा पल था और मैंने उस दौर को खूब इंजॉय भी किया। उसके बाद मेरी चॉइस ऐसी थी कि डाउनफॉल भी आया। कई बार ऐसा लगता है कि अगर थोड़े पैसे कम करके वो प्रोजेक्ट कर लेती तो अच्छा होता।। लेकिन बीच में जितने भी डाउनफॉल आए हैं, मैं उसके लिए मैं यूनिवर्स को थैंक यू कहती हूं कि मेहरबानी हमेशा बनी रही। मैं एक बात में विश्वास करती हूं कि जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा का मंडे टेस्ट में हुआ बुरा हाल

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा बॉक्स ऑफिस पर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ती जा रही है। फर्स्ट वीकेंड में फिल्म की कमाई का आंकड़ा लगातार बेहतर होता गया है लेकिन सोमवार को फिल्म की कमाई में फिर एक बार बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

यूं तो किसी भी फिल्म के लिए मंडे टेस्ट पास कर पाना आसान नहीं होता है, लेकिन जब बात किसी छोटे या मध्यम बजट वाली फिल्म की हो, तो कमाई के आंकड़े बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। फिल्म ने रिलीज वाले दिन 4 करोड़ 1 लाख रुपये का बिजनेस किया था और दूसरे ही दिन कमाई में 40% से ज्यादा की ग्रोथ देखने मिली।

रिलीज के बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई का आंकड़ा उछलकर 5 करोड़ 75 लाख रुपये हो गया। तीसरे दिन फिल्म की कमाई में फिर से 21.75त्न की ग्रोथ आई और कमाई का आंकड़ा उछलकर 7 करोड़ तक पहुंच गया। फर्स्ट वीकेंड खत्म होने तक फिल्म 16 करोड़ 85 लाख रुपये कमा चुकी थी।

कानून-व्यवस्था बिगड़ी तो सड़क के बजाय मेट्रो से मौके पर पहुंचेगी फोर्स, दिल्ली पुलिस का प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या है। इससे पुलिस भी प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि किसी बड़ी घटना के बाद अतिरिक्त पुलिस बल समय से मौके पर नहीं पहुंच पाता है। हालांकि, दिल्ली पुलिस अब इस परेशानी से निजात पाने की तैयारी कर रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान यदि कहीं कानून-व्यवस्था बिगड़ती है तो पुलिसकर्मी सड़क के बजाय मेट्रो से मौके पर पहुंच सकेंगे।

दिल्ली में कई बार तनाव की स्थिति बनती रही है। कानून-व्यवस्था बिगड़ने पर थाने और आसपास के पुलिसकर्मी तो मौके पर पहुंच जाते हैं, लेकिन अतिरिक्त पुलिस बल को सड़क के रास्ते पहुंचने में काफी समय लग जाता है। ऐसे में पुलिस बल की कमी के चलते हालात ज्यादा बिगड़ने की आशंका बनी रहती है। हाल ही में इंद्रलोक इलाके में फैले तनाव के दौरान भी पुलिसकर्मियों की संख्या मौके पर बेहद कम थी। वहां अतिरिक्त पुलिस बल को पहुंचने में समय लगा।

हाल ही में पुलिस अधिकारियों की बैठक में यह सुझाव आया कि कानून-व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस कर्मियों को आवश्यकता पड़ने पर मेट्रो से सफर करना चाहिए। इससे जाम में फंसे बिना

पुलिसकर्मी आसानी से मौके पर पहुंच सकेंगे। घटनास्थल के पास मेट्रो स्टेशन से पुलिस की गाड़ियां उन्हें ले जाएंगी। सड़क के रास्ते मेट्रो से मौके तक पहुंचने में अतिरिक्त पुलिस बल को भी आसानी होगी और इस प्रयोग से पुलिस का समय बचेगा।

सुझाव दिया गया है कि अतिरिक्त पुलिस बल अपनी जगह से नजदीकी मेट्रो स्टेशन से सवार होंगे। उन्हें बिना टिकट के तुरंत गेट खोलकर प्रवेश दे दिया जाएगा। किराये के लिए उनकी संख्या गिन ली जाएगी। सीआईएसएफ द्वारा उन्हें हथियार सहित प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। मेट्रो में सवार होकर वह घटनास्थल के नजदीकी मेट्रो स्टेशन पर पहुंचेंगे, जहां से पुलिस की गाड़ियां उन्हें मौके पर ले जाएंगी। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसे लेकर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) से प्राथमिक स्तर की बातचीत हुई है। डीएमआरसी ने इसमें सहयोग का आश्वासन भी दिया है, लेकिन डीएमआरसी ने पुलिस कर्मियों की संख्या के अनुसार किराया चुकाने की बात रखी है। अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों का किराया चुकाने के लिए हामी भी भर ली है। दिल्ली मेट्रो में हथियार के साथ प्रवेश नहीं मिलता है। ऐसे में पुलिस सीआईएसएफ से बातचीत कर रही है कि आपातकालीन स्थिति में पुलिस कर्मियों को मेट्रो में हथियार के साथ प्रवेश करने दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव प्रक्रिया दोहराना संभव नहीं... हाईकोर्ट से स्टूडेंट को नहीं मिली राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के एक छात्र को आगामी छात्र संघ चुनाव में नामांकन दाखिल करने और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की इजाजत देने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। छात्र ने अदालत में अर्जी दाखिल कर चुनाव लड़ने के लिए अधिकतम आयु सीमा को बढ़ाने की याचिका पर फैसला आने तक अंतिरम राहत प्रदान करने की गुहार लगाई थी। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने पाया कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी है और चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा, वापस से पूरी प्रक्रिया को दोहराना और याचिकाकर्ता को चुनाव लड़ने की अनुमति देना संभव नहीं है। जेएनयूएसयू चुनाव 22 मार्च को होना है, जिसके लिए नामांकन दाखिल करने की तारीख 15 मार्च थी। छात्र संघ चुनाव के परिणाम 24 मार्च को घोषित किये जाएंगे। याचिकाकर्ता सुधांशु शेखर ने जेएनयू के कुलपति के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जेएनयू के कुलपति ने छात्र संघ चुनाव लड़ने के लिए अधिकतम आयु सीमा दो वर्ष बढ़ाने के याचिकाकर्ता के प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया था। यूनिवर्सिटी में कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण चार साल से अधिक समय तक छात्रसंघ के चुनाव नहीं कराये गये थे। कोर्ट ने नोटिस जारी कर जेएनयू से चार हफ्ते के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। वकील आजाद और प्रकृति रस्तोगी के जरिए दायर की गई याचिका में कहा गया था कि महामारी और दूसरे कारणों से, छात्र संगठनों के कई अनुरोधों के बावजूद, लगातार चार वर्षों तक चुनाव नहीं कराये गये। याचिका में कहा गया कि सिर्फ यूनिवर्सिटी की ओर से देरी और सुस्ती के कारण, याचिकाकर्ता, जो दोनों साल 2020 और 2022 में चुनाव लड़ने के लिए पात्र था, ने चुनाव लड़ने का मौका खो दिया और वर्तमान में उसे अपना नामांकन दाखिल करने से उम्र का हवाला देते हुए रोक दिया गया, क्योंकि वह 30 साल और 6 महीने का है। बिना किसी गलती के याचिकाकर्ता की चुनाव लड़ने की आयु सीमा पार हो गई, ऐसे में यूनिवर्सिटी और कुलपति को उसे आयु सीमा में छूट देनी चाहिए।

वाहन चालक रखें ध्यान! दिल्ली में 1 माह तक बंद रहेगा पंजाबी बाग रोड का एक हिस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के पंजाबी बाग स्थित भारत दर्शन पार्क के पास लोगों की सुविधा के लिए अंडरपास बनाया जा रहा है। इस निर्माण कार्य के चलते पंजाबी बाग में रिंग रोड पर सड़क का हिस्सा यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। मोतीनगर से पंजाबी बाग की तरफ मुड़ने वाले रास्ते को निर्माण कार्य पूरा होने तक बंद रखा जाएगा। इसके चलते यहां पर लगभग एक माह तक यातायात डायवर्जन रहेगा। इससे लोगों को जाम का भी सामना करना पड़ेगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान कर्मपुरा फ्लाईओवर से लेकर मोतीनगर, रिंग रोड और पंजाबी बाग में यातायात का दबाव अधिक रहने की संभावना है। मोतीनगर से आने वाले वाहन पंजाबी बाग की तरफ नहीं मुड़ सकेंगे। इसकी जगह उन्हें पंजाबी बाग पहुंचकर रिंग रोड से यू-टर्न लेकर रोड नंबर 41 पंजाबी बाग होते हुए ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क तक जाना होगा। इस दौरान राजा गार्डन से पंजाबी बाग गोल चक्कर जाने के लिए नए फ्लाईओवर का इस्तेमाल करें।

10 साल में क्या काम किया, जनता के सामने पेश करें रिपोर्ट कार्ड; भाजपा से आप ने पूछे 7 सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के प्रत्याशियों द्वारा जीत हासिल करने पर अगले 100 दिन की कार्ययोजना पेश करने पर निशाना साधा है। पार्टी ने कहा कि भाजपा सांसद अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश करें। आप नेता व दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, यह बेहद हास्यापद है कि भाजप्रा प्रत्याशियों ने जनता के समक्ष यह बात तो रख दी की आने वाले चुनाव में यदि वो जीतते हैं तो अगले 100 दिनों में क्या काम करेंगे, परंतु यह नहीं बताया कि भाजपा के जिन सात सांसदों को दिल्ली की जनता दो बार से लगातार जीता रही थी उन्होंने दिल्लीवालों के लिए 10 साल में क्या काम किया।

पार्टी कार्यालय में सोमवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा बताए कि उनके सात सांसदों ने दिल्ली में बीते 10 साल में क्या-क्या काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब-जब दिल्लीवालों को सांसदों की जरूरत थी तो वह गायब मिले। दस साल में सांसदों के पास जिन कामों की जिम्मेदारी थी, उस एक काम को भी उन्होंने नहीं किया। दिल्ली की बिगड़ी कानून व्यवस्था सुधारने की बात हो या फिर दिल्ली में गरीबों के घर तोड़े जाने का मामला भाजपा के सांसद हर समय सिर्फ चुप्पी साधे रहे।

भारद्वाज ने कहा कि मैं भाजपा से सात सवालों के जवाब चाहता हूं। भाजपा बताए कि वर्ष 2017-18 में भाजपा शासित नगर निगम ने हजारों दुकानों को सील कर दिया। भाजपा ने उन दुकानदारों के लिए किया क्या। बीते डेढ़ साल में केंद्र सरकार की एजेंसियां झुग्गियां तोड़कर लाखों लोगों को बेघर कर दिया। भाजपा सांसदों ने कभी बुलडोजर के सामने आकर विरोध किया। पिछले 10 साल में यातायात सुधारने के लिए क्या किया। भाजपा बताए कि कानून व्यवस्था सुधारने की बात कभी की। कोरोना काल में ऑक्सीजन नहीं मिल रहा था तो तब भाजपा के सांसदों ने क्या किया। गर्मियों में हरियाणा दिल्लीवालों का पानी रोक देता है। भाजपा के सांसदों ने उसके लिए क्या किया।

रैपिड रेल की सुरक्षा में चूक, ट्रैक पर कबाड़ी को देख ड्राइवर ने लगाए इमरजेंसी ब्रेक; 20 मिनट रुकी रही ट्रेन

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की पहली नमो भारत ट्रेन की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। नमो भारत ट्रेन सोमवार सुबह एक कबाड़ी की वजह से 20 मिनट तक ट्रैक पर रुकी रही। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन गाजियाबाद की तरफ आ रही थी। ट्रेन के चालक ने तुरंत कबाड़ी को पकड़कर पुलिस को इसकी सूचना दी। आरोपी बिहार के गोपालगंज जनपद का रहने वाला है।

सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे ट्रेन गुलधर स्टेशन से गाजियाबाद की तरफ आ रही थी। इसी दौरान ट्रेन चालक को ट्रैक पर एक शख्स दिखाई दिया। चालक ने सावधानी के साथ इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका। ट्रेन के अचानक रुकने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन लगभग 20 मिनट तक ट्रैक ही रुकी रही। इससे यात्रियों को परेशानी भी उठानी पड़ी। सूचना मिलने पर मधुबन बापूधाम थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस आरोपी को पकड़कर थाने ले आई। उसके खिलाफ दिल्ली मेट्रो रेलवे अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पकड़े गए शख्स ने अपना नाम अरविंद कुमार बताया है। वह बिहार के गोपालगंज जनपद के फैजुल्लाहपुर सतरघाट थाना बैकुठपुर का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि वह कबाड़ चुनने का काम करता है। आरआरटीएस कॉरिडोर पर एक साल के अंदर 12 से अधिक बार तार चोरी हो चुके हैं। मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्र में तार चोरी की सबसे ज्यादा घटना हुई हैं। इसके अलावा निर्माण कार्य के वक्त सरिया और अन्य सामग्री भी चोरी हुई थी। मोदीनगर और मुरादनगर थाने में चोरी के मामले दर्ज किए गए थे।

दिल्ली से जुड़ेगा मुंबई एक्सप्रेसवे, ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारका एक्सप्रेसवे को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। सोमवार को शहरी विकास के प्रधान सलाहाकार डीएस ढेसी ने बैठक बुलाई। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए श्रीनिवास के अलावा मुख्य अभियंता अरुण धनखड़ और राजेश बंसल मौजूद रहे। ढेसी ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि एलिवेटिड एक्सप्रेसवे के माध्यम से इन दोनों एक्सप्रेसवे को जोड़ा जाएं। इसको लेकर सलाहाकार नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गत 11 मार्च से द्वारका एक्सप्रेसवे का गुरुग्राम हिस्सा शुरू हो चुका है। यदि इस एक्सप्रेसवे से किसी वाहन चालक को गुरुग्राम-मुंबई एक्सप्रेसवे या गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड की तरफ जाना होता है तो वह एसपीआर पर चलता है। एसपीआर के दोनों तरफ सेक्टर 68 से लेकर 79 विकसित हैं। ऐसे में वाहन चालकों को सुबह और शाम के समय यातायात जाम में फंसना पड़ता है। करीब छह किलोमीटर लंबी इस सड़क को पार करने में वाहन चालकों को 15 से 20 मिनट का समय

लग जाता है। यदि इन दोनों एक्सप्रेसवे को एलिवेटिड एक्सप्रेसवे के माध्यम से जोड़ दिया जाएगा तो वाहन चालकों को पांच से छह मिनट का समय लगेगा। इससे एसपीआर के दोनों तरफ विकसित सेक्टरवासियों को भी आवागमन में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर दिल्ली-जयपुर हाईवे से जुड़ाव को लेकर गांव खेड़कीदौला के समीप एक क्लोवरलीफ बनाया गया है। वाटिका चौक तक एलिवेटिड एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाएगा। जीएमडीए की योजना के मुताबिक एनएच 248ए पर वाटिका चौक के समीप क्लोवरलीफ बनेगा। इससे मुंबई एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड और एनएच 248ए के एलिवेटिड हिस्से में दौड़ रहे वाहन चालकों को राहत मिलेगी। बैठक में शहरी विकास के प्रधान सलाहाकार डीएस ढेसी ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के समीप बने अंडरपास का रखरखाव किया जाए। अंडरपास की साफ-सफाई को दुरुस्त रखा जाए। टाइल्स को पेंट किया जाए। सड़क पर कुछ जगह पर दरार नजर आने लगी हैं, जिन्हें दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि निगरानी में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाएं। जीएमडीए के मुख्य अभियंता अरुण धनखड़ ने कहा, द्वारका एक्सप्रेसवे को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने की योजना है। द्वारका एक्सप्रेसवे का गुरुग्राम हिस्से को खोला जा चुका है।

ब्राजील में दुनिया की सबसे उम्रदराज महिला

आईडी कार्ड में बर्थ डेट 10 मार्च 1905; पड़पोती बोली- 119 की हैं दादी, 130 साल जिएंगी

रियो डि जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील की डेओलिरा ग्लिसेरिया पेड्रो डि सिल्वा का जन्म 10 मार्च 1905 को हुआ था। इस लिहाज से उनकी उम्र 119 साल है। खास बात यह है कि उनके पास ब्राजीलियन लैंग्वेज में सरकार की तरफ से जारी किया गया आईडेंटिफिकेशन कार्ड भी है।

वैसे, फिलहाल दुनिया में सबसे उम्रदराज महिला का रिकॉर्ड फिलहाल 117 साल की मारिया ब्रायंस मोरेरा के नाम है। उनका जन्म अमेरिका में हुआ, लेकिन इस वक्त वो स्पेन में रहती हैं और लंबे वक्त से एक नर्सिंग होम में एडमिट हैं।

डेओलिरा को ब्राजीलियन मीडिया प्यार से 'गोल्डन ओल्डी' कहता है। 119 साल की हो चुकीं डेओलिरा का परिवार कहता है कि वो अब भी 10 साल जी सकती हैं। इस वक्त वो भरेपूरे परिवार के साथ इटापेरूना में रहती हैं। यह रियो का ही उपनगरीय या कहें सबअर्बन एरिया है।

डेओलिरा ने दोनों विश्व युद्ध देखे हैं। इतना ही नहीं वर्तमान में सबसे बुजुर्गवार महिला की रिकॉर्ड होल्डर

मारिया ब्रायंस से वो दो साल बड़ी हैं। इस लिहाज से देखें तो डेओलिरा ही दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला हैं। ब्रिटिश अखबार 'द सन' के मुताबिक- डेओलिरा की डेट ऑफ बर्थ के बारे में इसलिए शक नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह उनके नेशनल आईडेंटिटीफिकेशन कार्ड पर दर्ज है। माना जा रहा है कि डेओलिरा इस धरती पर मौजूद सबसे उम्रदराज इंसान हैं। अब साओ पाउलो यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर ह्यूमन जीनोम एंड स्टेम सेल्स डिपार्टमेंट की टीन डेओलिरा के दीर्घायू होने पर रिसर्च कर रही है।

डेओलिरा की पड़पोती डोरोतेया फेरिरा डि सिल्वा कहती हैं- 119 साल की होने के बावजूद वो काफी एक्टिव हैं। मुझे लगता है कि वो कम से कम 130 साल तो जिएंगी ही।

वो घर में आज भी बहुत एक्टिव रहती हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई उनका ये रिकॉर्ड तोड़ पाएगा।

पाकिस्तान अल्पसंख्यकों के खिलाफ चरमपंथी समूहों को दे रहा समर्थन और सहायता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान खुले तौर पर कट्टरपंथी सुन्नी समूह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान जैसे चरमपंथी समूहों का समर्थन कर रहा है। ये कट्टरपंथी सुन्नी समू पाक में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों को नष्ट कर रहा है, अल्पसंख्यकों की हत्या कर रहा है, ईशनिंदा के झूठे आरोप लगा रहा है और अब तो सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को भी सीधे धमकी दे रहा है। टीएलपी और इसी तरह के चरमपंथी समूह अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं को कई अन्य तरीकों से परेशान कर रहे हैं। हिंदू लड़कियों और महिलाओं का अपहरण किया जाता है, बलात्कार किया जाता है, मुस्लिम पुरुषों से शादी करने से पहले उन्हें इस्लाम में परिवर्तित किया जाता है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस साल 8 जनवरी से 8 फरवरी के बीच, लगभग 20 हिंदू लड़कियों को शारीरिक शोषण का शिकार होना पड़ा, जिनमें से 12 मामले जबरन धर्म परिवर्तन और अपहरणकर्ताओं से शादी के थे, चार बलात्कार, दो छेड़छाड़ के प्रयास, एक लापता और एक हत्या के प्रयास के मामले थे। पाकिस्तान, जो न्यायिक फैसलों की आलोचना करने वाले पत्रकारों को

दंडित करने में तत्पर रहा है, ने दूसरी तरफ देखने का फैसला किया जब टीएलपी ने अहमदियों के पक्ष में फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया । पंजाब में 50 से अधिक मस्जिदों पर विरोध प्रदर्शन में उन्होंने न्यायाधीश को इस्लाम का दुश्मन कहा था। कुछ प्रदर्शनकारियों ने मुख्य न्यायाधीश को धमकी भी दी।

टीएलपी, एक समूह जो ईशनिंदा के आरोप में पंजाब के पूर्व गवर्नर सलमान तासीर की हत्या से पैदा हुआ था, अगस्त 2015 से अल्पसंख्यकों को परेशान कर रहा है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान में घुस कर की एयरस्ट्राइक, पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को बनाया निशाना

काबुल/इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई हमले किए, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों सहित आठ नागरिकों की मौत हो गई। इन हमलों में पाकिस्तान सीमा के पास खोस्त और पक्तिका प्रांतों में नागरिक घरों को निशाना बनाया गया। वहीं, अब पाकिस्तान के हमलों का अफगानिस्तान ने भी करारा जवाब दिया है।

पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले के बाद अफगानिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। अफगानिस्तान की सेनाओं ने सीमा पर पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को निशाना बनाया, जो दो साल से अधिक समय पहले सत्ता संभालने के बाद तालिबान की ओर से पहला जवाबी हमला बन गया है। तालिबान-नियंत्रित रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अफगानिस्तान की राष्ट्रीय इस्लामी सेना भारी हथियारों के साथ सीमा पर सैन्य चौकियों को निशाना बनाकर पाकिस्तान को जवाब दे रही है। रक्षा और सुरक्षा बल किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

ये हमले उत्तरी वजीरिस्तान में सुरक्षा बलों की चौकी पर आतंकवादी हमले में दो अधिकारियों सहित सात सैनिकों की हत्या के बाद राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी द्वारा जवाबी कार्रवाई की कसम खाने के एक दिन बाद हुए हैं। हाफिज गुल बहादर समूह ने घातक हमले की जिम्मेदारी ली थी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अफगान सीमा क्षेत्रों में उसी समूह को निशाना बनाकर आतंकवाद विरोधी अभियान की पुष्टि की, जो पाकिस्तानी

सुरक्षा बलों के खिलाफ बढ़ती सीमा हिंसा के लिए जिम्मेदार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का एक गुट है। वहीं, दूसरी ओर तालिबान सरकार ने हवाई हमलों की निंदा की और इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से गंभीर परिणाम हो सकते हैं और घटनाओं के बढ़ने की संभावना पाकिस्तान की प्रबंधन क्षमता से परे हो सकती है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के युवक ने भारतीय कामगार का किया यौन शोषण, कोर्ट में कबूला गुनाह

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में भारतीय मूल का एक युवक, भारतीय कामगार का शारीरिक शोषण करने के मामले में दोषी करार दिया गया है। आरोपी की पहचान 20 साल के श्रीकांत मुरुगन के रूप में हुई है, जिसने 34 साल के भारतीय कामगार का यौन उत्पीड़न किया। खबर के अनुसार, पीड़ित व्यक्ति सिंगापुर की एक हाउसिंग सोसाइटी में बनी बेंच पर सो रहा था, तभी आरोपी युवक वहां आया और सोते हुए व्यक्ति के साथ गलत हरकत की। जैसे ही पीड़ित की आंख खुली तो आरोपी मौके से फरार हो गया। हालांकि बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। सिंगापुर की कोर्ट अब 9 मई को इस मामले में फैसला सुनाएगी। कोर्ट आरोपी की उम्र और अपराध के व्यवहार को देखते हुए उसे प्रोबेशन और सुधारात्मक ट्रेनिंग सेंटर भेजने पर विचार कर रहा है। हालांकि पब्लिक अभियोजक ने इसका विरोध किया है और आरोपी सुधारात्मक ट्रेनिंग सेंटर भेजने के बजाय उसे रिहैबलिटेशन सेंटर भेजने की मांग की है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।